दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 10 अंक : 269 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 2.00रुपए पृष्ठ : 8

राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने बिहार के भविष्य को बीच में लटकाया, इनसे सावधान रहे : नरेंद्र मोदी

बिहार में चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री ने गांधी परिवार और लालू यादव पर जमकर निशाना साधा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और गांधी परिवार पर जोरदार निशाना साधा और कहा कि यह लोग जमानत पर बाहर हैं इन पर घोटाले का आरोप है इन लोगों ने बिहार के भविष्य को बीच में लटका दिया था । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में समस्तीपुर और बेगूसराय में जनसभा को संबोधित किया दोनों ही जनसभाओं में उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला जंगल राज का कई बार जिक्र किया साथ ही महागठबंधन पर भी खूब बात की उन्होंने कहा कि यह गठबंधन नहीं लठबंधन है उनके लोग आपस में ही लड़ रहे हैं लाठियां भांज रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बिहार चुनाव की घोषणा हुई है तब से हम एक चीज साफ देख रहे हैं कि एक तरफ एनडीए है एक सूझबूझ से भरा हुआ नेतृत्व है वहीं दूसरी तरफ लाठियां बढ़ रहा महालठबंधन है यह लोग कमरे पर आकर कुछ भी बोले लेकिन पीठ पीछे एक दूसरे की खाल खींच रहे हैं उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल ने बीते दो दशक में कोई चुनाव नहीं जीता है राष्ट्रीय जनता दल ने झारखंड मुक्ति मोर्चा को इसी अहंकार में झटक दिया बिहार में कांग्रेस को पटक दिया वीआईपी को भटका दिया और वाम दल को अटका दिया

राष्ट्रीय जनता दल वालों ने केवल अपने बेटे बेटियों का भविष्य बनाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल वालों ने केवल अपने बेटे बेटियों का भविष्य बनाया बिहार के लाखों नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया एक समय था जब बेगूसराय देश के प्रमुख औद्योगिक केंदो में से एक था 60 के दशक में यहां फैक्ट्रियां लगी रोजगार के अवसर बड़े लेकिन फिर क्या हुआ जंगल राज आ गया फैक्ट्री पर ताला लगा दिया गया जंगल राज ने बिहार के भविष्य को बीच में लटका दिया जी राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार को पलायन का अभिशाप दिया उसके नेता आज बड़ी-बड़ी बातें करते हैं एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता है इसलिए हम लोगों ने सबसे पहले बिहार को जंगल राज से मुक्त किया।

प्रधानमंत्री ने बताया सबसे ज्यादा भ्रष्ट परिवार कौन है ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को जंगल राज से मुक्त करवाया नौजवानों से मैं कहना चाहता हूं कि अक्टूबर 2005 में आपके माता-पिता ने आपके भविष्य के लिए बिहार को जंगल राज से मुक्त करवाया था एनडीए सरकार को चुना था आपको वोट की ताकत समझनी है आपका एक वोट से ही बिहार का भविष्य निश्चित होगा उन्होंने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि वह परिवार बिहार का सबसे ज्यादा भ्रष्ट परिवार है ज्यादातर सदस्य जमानत पर बाहर निकले हैं यह लोग जमानत पर जीने को मजबूर हैं वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस का एक परिवार है वह देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है इस परिवार के लोग भी जमानत पर हैं लेकिन जब बिहार ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं करता है इसलिए अब एक ही नारा गूंज रहा है नई रफ्तार से चलेगा बिहार अब फिर गूंजेगा एनडीए सरकार

जयपुर ,जोधपुर और कोटा नगर निगम में प्रशासक नियुक्त, संभागीय आयुक्त देखेंगे नगर निगम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) प्रदेश सरकार ने जयपुर जोधपुर और कोटा के नगर निगम में प्रशासक नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं स्वायत शासन विभाग की ओर से जारी किए गए आदेश में संबंधित संभागीय आयुक्त नगर निगम के प्रशासक होंगे जब तक इन तीन नगर निगम के नए बोर्ड का गठन नहीं हो जाता तब तक संभागीय आयुक्त प्रशासक की भूमिका में काम करते हुए नगर निगम से संबंधित कार्यों का निपटारा करेंगे जानकारी के अनुसार जयपुर जोधपुर और कोटा नगर निगम के वर्तमान बोर्ड का कार्यकाल आगामी 9 नवंबर को पूरा हो रहा है इसलिए सरकार यह भी जानती है कि 9 नवंबर से पहले नगर निकाय के चुनाव नहीं करवाए जा सकते इसलिए नगर निगम के कार्य बाधित नहीं हो लोगों को सुविधा मिलती रहे संभागीय आयुक्त को इन नगर निगम का प्रशासक नियुक्त कर दिया है सरकार के आदेश के अनुसार जयपुर नगर निगम हेरिटेज और जयपुर नगर निगम ग्रेटर दोनों के प्रशासक जयपुर के संभागीय आयुक्त होंगे इसी तरह से जोधपुर के दोनों नगर निगम के प्रशासक जोधपुर के संभागीय आयुक्त ही होंगे इसी तरह से कोटा के दोनों नगर निगम के प्रशासक कोटा के संभागीय आयुक्त ही होंगे । हालांकि नगर निकाय के चुनाव की तारीख का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन प्रदेश में नगर निकाय के चुनाव की गतिविधियां जरूर तेज हो गई हैं हालांकि अभी भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस पार्टी और अन्य छोटे राजनीतिक दलों के रणनीतिकार अंता विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव पर नजर जमा हुए हैं और सभी राजनीतिक दल इस सीट पर चुनाव प्रचार में व्यस्त हो गए हैं 11 नवंबर को अंता विधानसभा सीट पर चुनाव होंगे और 14 नवंबर को नतीजे घोषित होंगे इसलिए 14 नवंबर के बाद प्रदेश के सभी राजनीतिक दल पूरी तरह से नगर निकाय के चुनाव की तैयारी में व्यस्त हो जाएंगे हालांकि कांग्रेस पार्टी की ओर से तैयारी शुरू भी हो गई हैं राहुल गांधी के निर्देश पर संगठन सर्जन अभियान के तहत बहुत जल्दी ही प्रदेश में 50 जिलों में कांग्रेस पार्टी के नए अध्यक्ष जिम्मेवारी संभालने जा रहे हैं इन नए अध्यक्षों की नगर निकाय के चुनाव में बड़ी भूमिका रहेगी चाहे प्रत्याशी चयन का मामला हो या फिर चुनाव प्रचार का हर तरह से कांग्रेस पार्टी के नए जिला अध्यक्षों को पहले की तुलना में ज्यादा पावरफुल बनाया जाएगा इसलिए इस बार नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरने जा रही है तो दूसरी तरफ प्रदेश भाजपा भी इस मामले में पीछे नहीं है वैसे प्रदेश भाजपा में संगठन की गतिविधियां पूरे 5 साल तक लगातार चलती रहती है भाजपा का पार्टी प्रबंधन कांग्रेस तुलना में पिछले कई सालों से बेहतर ही नजर आया है क्योंकि राजस्थान ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी भाजपा का संगठन हमेशा ही गतिशील रहता है लेकिन फिर भी राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़ नगर निकाय चुनाव को लेकर भी गंभीर तो हैं लेकिन फिलहाल अभी उन्हें अपनी नई टीम के सिलेक्शन की अनुमति ही नहीं मिली है इसलिए अपनी नई टीम की अनुमति मिलने के बाद मदन राठौड़ और बैटर तरीके से चुनाव की तैयारी को अंजाम दे सकते हैं ।

सीधे नहीं चुने जाएंगे महापौर, पार्षद ही करेंगे चयनः झाबर सिंह खर्रा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निकाय चुनाव में इस बार महापौर का सीधा चुनाव नहीं होगा चुने गए पार्षदों की ओर से ही महापौर का चुनाव किया जाएगा यह बात यूडीएच मिनिस्टर झाबर सिंह खारा ने पत्रकारों को बताई उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 में जनता की ओर से सीधे महापौर का चयन किया गया था उस समय नगर निगम में महापौर अलग पार्टी का था तो निगम में बोर्ड दूसरी पार्टी का बना हुआ था जिसकी वजह से पूरे 5 साल तक महापौर और निगम के बोर्ड के पार्षदों के बीच टकराव के हालात बन रहे आपस में खींचतान चलती रही जिसकी वजह से नगर निगम के विकास कार्य बाधित हुए इसलिए प्रदेश सरकार ने इस विषय पर गंभीरता से स्टडी

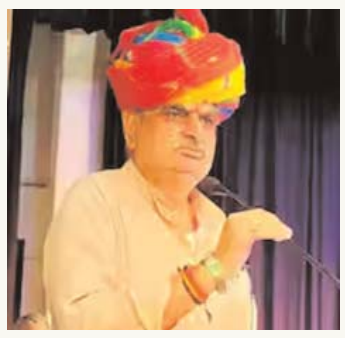

की है इसके बाद यह निर्णय लिया गया है कि फिलहाल नगर निगम में चुने गए पार्षद ही महापौर का चयन करेंगे प्रदेश के भजन लाल सरकार ने पहले ही इस बार जयपुर जोधपुर और कोटा में एक ही नगर निगम सुनिश्चित किए जाने की बात कही है आगामी चुनाव में जयपुर जोधपुर और कोटा इन तीनों शहर में दो की जगह अब एक नगर निगम मानकर चुनाव कराए जाएंगे अभी जयपुर में जयपुर नगर निगम हेरिटेज और जयपुर नगर निगम ग्रेटर दो नगर निगम है इसी तरह से कोटा और जोधपुर में भी दो नगर निगम हैं लेकिन प्रदेश की भजनलाल सरकार ने अब इन तीनों शहरों में पहले की तरह एक ही नगर निगम बनाए जाने की घोषणा पहले ही कर दी है द्य जानकारी के अनुसार प्रदेश में नगर निकाय चुनाव कब होंगे इसके बारे में अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है हालांकि प्रदेश की यूडीएच मिनिस्टर झाबर सिंह खर्रा पहले आगामी दिसंबर माह में चुनाव करवाने की बात कह रहे थे अब जनवरी माह में चुनाव करवाने की बात कह रहे हैं साथ ही यूडीएच मिनिस्टर यह भी कहते हैं कि सरकार वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत ही चुनाव करवाने का विचार रखती है लेकिन नगर निकाय चुनाव की तारीखों को लेकर प्रदेश के निर्वाचन विभाग में भी किसी भी तरह की प्रतिक्रिया अभी तक नहीं दी है हालांकि प्रदेश के निर्वाचन विभाग नगर निकाय चुनाव की तैयारी में तो जुटा हुआ है लेकिन चुनाव कब होंगे इसके बारे में निर्वाचन विभाग की ओर से स्थिति स्पष्ट नहीं की जा रही इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि सरकार और निर्वाचन विभाग को ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार है जब तक ओबीसी आयोग की रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक नगर निकाय के चुनाव संपन्न होना नामुमकिन है इसलिए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट आने के बाद ही निर्वाचन विभाग इस मामले में आगे अपनी कार्रवाई को गति देगा हालांकि यह बात बिल्कुल सही है कि जनता की ओर से सीधे महापौर चुने जाने की प्रक्रिया में जब महापौर अलग पार्टी का और नगर निगम में बोर्ड दूसरी पार्टी का बन जाता है तो फिर निश्चित रूप से नगर निगम के कार्य बाधित होते हैं महापौर और नगर निगम के बोर्ड के बीच आपस में तनातनी बनी रहती है जिसकी वजह से ना तो वार्डों में विकास कार्य ठीक तरह से हो पाते हैं और ना ही शहर के विकास कार्य ठीक तरह से संपादित हो पाते हैं इस तरह के टकराव को देखकर प्रदेश सरकार भी काफी परेशान और विचलित रहती है यही वजह है कि प्रदेश की भजनलाल सरकार पार्षदों से ही महापौर का चयन करवाने के बारे में निर्णय ले रही है ।

अंता में चुनाव से पहले निर्वाचन विभाग अलर्ट, चेकिंग में 19 करोड़ 61 लाख रुपए बरामद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.) प्रदेश का निर्वाचन विभाग अंता विधानसभा सीट में 11 नवंबर को होने जा रहे उपचुनाव को लेकर पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है चुनाव में किसी भी तरह की कोई अनैतिक गतिविधि नहीं हो चुनाव में धनबल और अवैध मादक पदार्थ का प्रचलन नहीं हो इसके लिए इस सीट पर चुनाव के अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद ही निर्वाचन विभाग की ओर से कई जगहों पर सतर्कता टीमों का गठन किया गया पुलिस की भी कई टीमों की ओर से अलग-अलग चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच पड़ताल की गई है पिछले 8 अक्टूबर से लगातार यहां पर अलग-अलग जगह पर वाहनों की जांच पड़ताल की गई जिसमें अब तक 19 करोड़ 61 लख रुपए बरामद किए गए हैं इसके अलावा कई अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं भी बरामद की गई है जानकारी के अनुसार चुनाव में अवैध और अवांछित गतिविधियों को रोकने के लिए निर्वाचन विभाग ने कई तरह के कदम उठाए हैं चुनाव पूरी तरह से पारदर्शक तरीके से संपादित हो इसके लिए अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की घुसपैठ को रोकने तथा संदिग्ध लोगों के प्रवेश को रोकने की भी निर्वाचन विभाग की ओर से ठोस व्यवस्था की गई है मतदान के दिन या मतदान से पहले और मतगणना होने तक इलाके में किसी भी तरह की कोई अवांछित गतिविधि ना हो इसके लिए प्रशासन और पुलिस के सहयोग से निर्वाचन विभाग ने व्यापक व्यवस्थाएं की उसी का नतीजा रहा की अब तक भारी मात्रा में नगद राशि बरामद की गई जानकार लोगों का कहना है कि इस बार अंता विधानसभा सीट का यह उपचुनाव काफी कांटे का हो रहा है कांटे का चुनाव होने की वजह से उम्मीदवार हर हाल में अपनी जीत को सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत लग रहे हैं हालांकि निर्वाचन विभाग आचार संहिता का पालन करवाने के लिए पूरी तरह से संकल्पित नजर आ रहा है लेकिन इसके बावजूद भी देखने में आता है कि उम्मीदवार और उनके समर्थक किसी ने किसी तरीके से मतदाताओं को अपने जाल में फंसाने की कोशिश करते हैं जिसमें चाहे नगद रुपए देकर या फिर शराब और अन्य वस्तुएं गिफ्ट देकर मतदाताओं को अपने प्रभाव में लेने का प्रयास किया जाता रहा है चाहे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव हो इस तरह की परिस्थितियों कई बार देखने को मिली है इसीलिए अंता विधानसभा सीट पर इस बार कांग्रेस और भाजपा के बीच में ही मुकाबला नहीं है बल्कि निर्दलीय रामपाल मेघवाल और नरेश मीणा के चुनाव लड़ने की वजह से यह मुकाबला काफी कांटे का हो गया है इसलिए भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के अलावा निर्दलीय प्रत्याशी भी हर हाल में अपनी जीत को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं इसलिए चाहे प्रचार और चुनाव मैनेजमेंट के लिए बाहर से आदमी बुलाने की बात हो या फिर पैसों की व्यवस्था की बात हो इन सब तथ्यों को देखते हुए निर्वाचन विभाग पहले से ही पूरे शहर में और शहर के चारों तरफ अलग-अलग टीमों की ओर से सभी तरह के वाहनों की चेकिंग करवा रहा है जिसमें भारी मात्रा में नगद भी बरामद की गई है ।

भजनलाल सरकार की ऐतिहासिक पहल, प्रदेश के हर ब्लॉक को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश में आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक्स का समावेशी एवं सतत विकास सुनिश्चित हो रहा है। प्रधानमंत्री की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रदेश के सभी 41 जिलों के एक-एक ब्लॉक में गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना भी शुरू की है। अविकसित जिलों के उत्थान के लिए जनवरी, 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम 112 जिलों में शुरू किया गया। केंद्र सरकार एवं नीति आयोग द्वारा संचालित यह कार्यक्रम नागरिकों के सामाजिक-आर्थिक जीवन स्तर को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान के पांच जिलों बारां, धौलपुर, जैसलमेर, करौली और सिरोही में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने

के लिए कार्य किया जा रहा है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम डेटा पर संचालित होता है, जिससे चिन्हित जिलों की प्रतिमाह डेल्टा रैंकिंग निकाली जाती है। 49 संकेतकों के आधार पर कार्य की निगरानी और मूल्यांकन कर अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों को पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। इसके तहत अब तक बारां को 17.51 करोड़ रुपये, धौलपुर को 15.82 करोड़, जैसलमेर को 9.62 करोड़, करौली को 9.05 करोड़ और सिरोही को 4.81 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त हो चुकी है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम से जिलों में आए सकारात्मक बदलाव, सफलता और विकास को ब्लॉक स्तर तक पहुंचाने के लिए जनवरी, 2023 में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम के तहत राजस्थान के 27 ब्लॉक किशनगंज, बसेड़ी, फतेहगढ़, मासलपुर, आबूरोड, नीमराना, सज्जनगढ़, रामसर, वैर, कोटड़ी, कोलायत, केशवरायपाटन, निम्बाहेडा, राजगढ़, रामगढ़ पचवारा, झोंथरी, संगरिया, अहोर, खानपुर, शेरगढ़, जायल, रानी, पीपलखूंट, भीम, गंगापुर सिटी, पीपलू और खेरवाड़ा शामिल हैं। इन ब्लॉक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, बुनियादी ढांचा और कौशल विकास के क्षेत्र में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में समग्र और समावेशी विकास की भावना से गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना की शुरूआत की तथा इसके सफल क्रियान्वयन के संबंध में 27 मार्च, 2025 को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले से एक ब्लॉक का चयन किया गया है। योजना के माध्यम से राजस्थान में कुल 41 ब्लॉकों में लक्षित विकास कार्यक्रम संचालित कर उन्हें विकसित ब्लॉक की श्रेणी में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के जरिए सभी चिन्हित ब्लॉकों में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना, कौशल विकास एवं सामाजिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग के लिए 39 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को आधार बनाया गया है। इस योजना की विभिन्न स्तर पर निगरानी की जाएगी। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर समितियां कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा करेंगी। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति और जिला क्लक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय समितियां बनाई गई हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में आकांक्षी ब्लॉक्स के विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें प्रत्येक ब्लॉक के लिए 1.5 करोड़ रुपये (अनटाइड फण्ड) का प्रावधान शामिल है। योजना से संबंधित 30 ब्लॉकों से प्लान ऑफ एक्शन प्राप्त हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बालिका शिक्षा को मिली नई राह

देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना से बेटियां संवार रही अपना भविष्य, प्रदेश की प्रत्येक बेटी को उच्च शिक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की प्रत्येक बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें, जिससे राज्य महिला शिक्षा के क्षेत्र में नई

वर्ष 2025 से बालिकाओं को हर वर्ष 4 हजार 240 स्कूटियों का किया जाएगा वितरण

मुख्यमंत्री की पहल पर इस योजना के तहत प्रतिवर्ष निर्धारित लक्ष्य के अलावा अन्य समान कट ऑफ प्राप्तांक वाली छात्राओं को भी स्कूटी निःशुल्क वितरित की जाती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए छात्रा के माता पिताअभिभावक संरक्षक पति की वार्षिक आय 2.50 लाख रूपये से कम होनी चाहिए। वर्ष 2019-20 से प्रतिवर्ष 1500 स्कूटी वितरण का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे राज्य सरकार द्वारा बढ़ाया गया है और अब वर्ष 2025-26 से 4 हजार 240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा।इस योजना के अंतर्गत विशेष पिछडा वर्ग की वे छात्राएं जो स्कूटी स्वीकृति की वरीयता सूची में नहीं आ पाती हैं, उनके लिए स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर 10,000 रूपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि दी जाती है। साथ ही, उन्हें स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 20,000 रूपये वार्षिक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में 20,000 रूपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। इसके लिए विशेष पिछडा वर्ग की वे छात्राएं जिनके माता-पिता अथवा अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रूपये से कम है तथा जो राजकीय महाविद्यालय, राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत है, पात्र हैं। देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण के तहत राज्य सरकार द्वारा अब तक 74 करोड़ 35 लाख रुपये व्यय कर 16 हजार 21 छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है। साथ ही, प्रोत्साहन राशि में 9 करोड़ 76 लाख रुपए व्यय कर 19 हजार 100 छात्राएं लाभान्वित की जा चुकी हैं। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 56.10 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान स्वीकृत है, जिसके विरूद्ध माह सितंबर 2025 तक 32.92 करोड़ राशि का व्यय किया जा चुका है।

ऊंचाईयों को छू सकें। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा संचालित देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना प्रदेश की किशोरियों में उत्साह और जोश भरने का कार्य कर रही है। प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2011-12 में आरम्भ की गई थी।

नहाए खाए के साथ आज से शुरुआत होगी छठ महापर्व की

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिले में पूर्वांचल विकास सेवा समिति के तत्वावधान में छठ महापर्व की शुरुआत इस बार 25 अक्टूबर शनिवार को नहाए खाए के साथ होगी। आस्था के इस महापर्व में नहाए खाए का विशेष महत्व होता है, क्योंकि यह छठ की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मेश कुमार सिंह ने बताया कि, इस साल नहाए खाए 25 अक्टूबर, शनिवार के दिन है। इस व्रत को करने वाले लोग नहाए खाए के दिन अरवा का चावल, दाल और घीया की सब्जी का सेवन करते हैं। नहाए खाए के दिन व्रती महिलाएं और पुरुष घर की साफ-सफाई के साथ स्वच्छ कपड़े पहनकर सूर्य भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। नहाए खाए 25 अक्टूबर 2025 शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजे से 8 बजे तक है. नहाए खाए पूजा विधि नहाए खाए वाले दिन सुबह उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद श्रद्धा भावना के साथ सात्विक भोजन को ग्रहण करें, जिसमें प्याज, लहसुन नहीं होना चाहिए। इसके बाद पूजा करने के बाद सात्विक भोजन को ग्रहण करें। इस दौरान तामसिक चीजों से दूर रहें। नहाए खाए का महत्व : नहाए खाए का दिन छठ करने वालों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन छठ माता की पूजा करने के साथ उनकी कृपा प्राप्त होती है। नहाए खाए वाले दिन अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू या लौकी की सब्जी बनाई जाती है। कुछ जगहों पर नोनी का साग और मडुआ की रोटी भी पकाई जाती है। नहाए खाए से लेकर छठ के 4 दिनों तक घर में किसी भी तरह का तामसिक आहार सेवन नहीं किया जाता है।

न्यू प्रीत विहार में भंडारा महोत्सव कल

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। न्यू प्रीत विहार विकास समिति, एन.ई.बी.विस्तार ट्रांसपोर्ट नगर अलवर, न्यू प्रीत विहार कॉलोनी के ब्लॉक नंबर 1 के पास तिकोनी पार्क के निकट मैदान पर 26 नवंबर रविवार को अन्नकूट प्रसाद भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। यह भण्डारा प्रातः 10 बजे भगवान को भोग लगाकर शुरु किया जाएगा। न्यू प्रीत विहार विकास समिति के अध्यक्ष जीवनराम ने बताया कि भण्डारे के दौरान लोगों को प्रसाद खिलाया भी जाएगा और घर ले जाने के लिए वितरण भी किया जाएगा। दीपावली के बाद स्थानीय लोगों की ओर से यह पहला भंडारा आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति में करीबन 20 लोग शामिल हैं। बडे स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है।

क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

जयपुर टाइम्स

थानागाजी(निसं.)। डायमंड क्रिकेट क्लब के तत्वदान में 45 वीं क्रिकेट (17/10/2025) को प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतियोगिता के संयोजक राहुल पंचोली ने बताया कि फाइनल मैच रूपूकाबास ओर भाँगडोली के बीच खेला गया जिसमें रूपूकाबास विजेता रही। जिसमें पुरस्कार वितरण युवा नेता व जनसेवक थानागाजी राजेंद्र प्रसाद शर्मा के द्वारा किया गया। जिसमें रमन शर्मा निदेशक जानकी महाविद्यालय थानागाजी, मांगेलाल मीणा, मुरलीधर पांडे, विनोद पंचोली, रफ्तार शर्मा, मोहन बाबूजी, सतीश शर्मा , विश्वास पंचोली, राजेन्द्र जांगिड़, विमल पंचोली, रोहिताश मीणा उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी नगर कीर्तन का किया भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वां शहीदी नगर कीर्तन का भव्य स्वागत हुआ। धुबरी (असम) से महान शहीदी नगर कीर्तन शुरू होकर देश के विभिन्न राज्यों से होते हुए जयपुर से अलवर पहुंचा। जहां अग्रसेन सर्किल पर गुरु नानक कॉलोनी खालसा सेवा दल की ओर से समूह सिख संगतो द्वारा भव्य स्वागत किया गया। खालसा सेवादल के सेवादार धर्मेंद्र सिंह पवित्र ने बताया कि शहीदी नगर कीर्तन में श्रद्धालु गुरु ग्रंथ साहिब जी की पालकी साहब के दर्शन के लिए उमड़ पड़े ओर साथ ही गुरु तेग बहादुर साहब जी की गुरबाणी रस कीर्तन से माहुल भक्ति में हो गया। वहीं जयकारों से आसपास का माहौल गूंजायमान हो उठा। इसके बादप्रसाद वितरण हुआ। इस मौके पर खालसा सेवादल के सेवादार धर्मेंद्र सिंह पवित्र, केवल सिंह, सुखपाल सिंह पवित्र, विजय सिंह, राजेश सिंह, सुखपाल सिंह दांगी, नेपाल सिंह, गुरदयाल सिंह, मदन सिंह, रणजीत सिंह, निरंजन सिंह, बलिहार सिंह, नितनेम सिंह, टेकु सिंह, दारा सिंह, हरजिंदर सिंह, गुरनाम सिंह, प्रश्न सिंह, बलवीर सिंह, टगलू सिंह, प्यार सिंह आदि सेवा में मौजूद रहे।

अन्नकूट महोत्सव रविवार को भक्तिभाव से होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) रविवार को अलवर शहर में षष्टम अन्नकूट महोत्सव बड़े धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। यह आयोजन रोड नंबर 2, मेंव बॉर्डिंग के पीछे, शक्ति इलेक्ट्रॉनिक के सामने स्थित सुमित्रा भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे से होगा और यह दिनभर भक्तिभाव के वातावरण में चलता रहेगाबमहोत्सव में भक्तगण भगवान के प्रसाद स्वरूप अन्नकूट का भोग लगाएंगे और कीर्तन, भजन व आरती के माध्यम से भक्ति रस में सराबोर होंगे। आयोजन समिति ने बताया कि इस अवसर पर आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने और प्रसाद वितरण में सहभागी बनने की अपील की है।

बस स्टैंड से कारोठ मार्ग तक हो सड़क चौड़ीकरण

बसों के अभाव में सुनसान पड़ा स्टैंड

नशेड़ियों का अड्डा बन रहा परिसर

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) राजगढ़ कस्बे के मुख्य बस स्टैंड से लेकर कारोठ मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण महि होने के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है दिनों लंबे समय से अव्यवस्थित यातायात, अतिक्रमण और संकरी सड़क के कारण यहां से बसों का संचालन लगभग ठप पड़ गया है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक बस स्टैंड आज बसों के अभाव में वीरान पड़ा है, जबकि आसपास का क्षेत्र धीरे-धीरे असामाजिक तत्वों का ठिकाना बनता जा रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड से कारोठ मार्ग तक सड़क इतनी संकरी हो चुकी है कि एक बस के निकलने में भी

भारी दिक्कत आती है जगह-जगह अतिक्रमण ने यातायात को पूरी तरह बाधित कर दिया है यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया और सड़क का चौड़ीकरण नहीं हुआ, तो भविष्य में यहां बसों का संचालन शुरू संभव ही नही है।

बस स्टैंड पर नहीं रुक रहीं बसें

कस्बे में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लाखों की लागत से नया बस स्टैंड बनवाया गया था। लेकिन सड़क की स्थिति और प्रवेश मार्ग के तंग होने के कारण अधिकांश बस चालक यहां आने से बचते हैं। नतीजतन, बस स्टैंड पर न तो यात्रियों की आवाजाही होती है और न ही कोई नियमित बस सेवा

नशेड़ियों का अड्डा बन रहा बस स्टैंड परिसर

स्थानीय नागरिकों ने यह भी शिकायत की है कि बसों की आवाजाही बंद होने के बाद से यह बस स्टैंड असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा है। शाम होते ही यहां शराब की बोतलें और गंदगी देखी जा सकती है। लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा और सफाई व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई है।

कस्बेवासियों की मांग जल्द कार्रवाई हो

कस्बे के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड से कारोठ मार्ग तक तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए और सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया जाए, ताकि यहां बसों का संचालन सुचारु रूप से शुरू हो सके। नागरिकों का कहना है कि यदि इस ओर शीघ्र कदम नहीं उठाए गए, तो यह सार्वजनिक संपत्ति पूरी तरह बेकार साबित होगी।

गिव अप अभियान के तहत 31 अक्टूबर तक अपात्र व्यक्ति हटवाएं नाम

अपात्र व्यक्तियों से वसूली जाएगी गेहूं की बाजार दर 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम के हिसाब से राशि

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। गिव अप अभियान के तहत अपात्र खाद्य सुरक्षा लाभार्थी स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से 31 अक्टूबर तक अपना नाम हटवा सकते हैं। अपात्र व्यक्तियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर योजना के प्रारम्भ से प्राप्त किए गए कुल गेहूं की बाजार दर 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम के हिसाब से वसूली की जाएगी। जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि विभाग द्वारा गिव अप अभियान के तहत नाम हटाने की प्रक्रिया का सरलीकरण कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान में खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित ऐसे लाभार्थी जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं जैसे आयकरदाता, 1 लाख रूपये से अधिक वार्षिक आय, चौपहिया वाहन धारक स्वेच्छा से अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकानदार/जिला रसद अधिकारी कार्यालय अलवर में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र भरकर अपना नाम हटवा सकते हैं। प्रपत्र जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों पर उपलब्ध है। अब कोई भी अपात्र व्यक्ति खाद्य विभाग राजस्थान के पोर्टल https//food.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध लिंक 'गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना (NFSA)से स्वतः हटने के लिए आवेदन करें' पर आवेदन कर अपना नाम स्वयं खाद्य सुरक्षा सूची से हटा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आयकर विभाग से आयकरदाताओं की सूची तथा परिवहन विभाग से चौपहिया वाहनधारकों के नाम प्राप्त किये जा रहे है। इस सूचना के आधार पर उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर वसूली की कार्यवाही तथा दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी एवं योजना के प्रारंभ से ही प्राप्त किए गए कुल गेहूं की बाजार दर से 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत अब तक प्रदेश में 39 लाख 86 हजार 212 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटवाए है जिनमें अलवर जिले में 1 लाख 15 हजार 377 व्यक्ति हैं।

जिला कलक्टर ने ग्रेप 2 की पाबंदियां के संबंध में बैठक लेकर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। ग्रेडेड रेस्पान्स एक्शन प्लान (ग्रेप) 2 के दौरान लगायी जाने वाली पाबन्दीयों पर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा हेतु जिला कलक्टर खैरथल-तिजारा किशोर कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सचिवालय सभागार, खैरथल-तिजारा में बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने बैठक के दौरान बैठक भिवाडी क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक की स्थिति, ग्रेडेड रेस्पान्स एक्शन प्लान (ग्रेप) 2 के दौरान लगायी जाने वाली पाबन्दीयों पर की जा रही कार्यवाही एवं इस सम्बन्ध में विभिन्न विभागों से अपेक्षित कार्यो के बारे में समीक्षा एवं विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलेक्टर द्वारा पराली को जलाये जाने से रोका जाना, वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण, सड़को से उड़ने वाली धूल के नियंत्रण हेतु नियमित सफाई एवं पानी का छिडकाव, निर्माण गतिविधियों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट के नियमित एकत्रीकरण एवं नियमानुसार निस्तारण, खुले में आग लगाये जाने पर नियंत्रण तथा औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु सम्बन्धित विभागों बीडा, रीको, यातायात, कृषि, आवासन मण्डल, नगर परिषद तथा प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के अधिकारियों को उक्त निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने एवं सभी विभागों में इस हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश प्रदान किये। जिला कलेक्टर ने सभी विभागों को पालना रिपोर्ट नियमित रूप से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय को प्रेषित किया जाना भी अनिवार्य किया गया है। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट, क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अमित जुयाल, डिप्टी एसपी भिवाड़ी, नगर परिषद खैरथल, नगर परिषद भिवाड़ी, रीको, बीडा, आवासन मण्डल, एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की भिवाडी इकाई के अधिकारीगण एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय बस स्टैण्ड अलवर पर रोडवेज कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

लक्ष्मणगढ़ बस स्टैण्ड पर महिला परिचालक पर हमला, दोषी हमलावरों की गिरफ्तारी करने की रखी मांग

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान रोडवेज के कर्मचारियों का संयुक्त मोर्चा अलवर व मत्स्य नगर आगार के आव्हान पर शुक्रवार को अलवर बस स्टैण्ड पर लक्ष्मणगढ़ बस स्टैण्ड पर हुए महिला परिचालक पर हमला करने वाले हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बताया की 12 सितम्बर 2025 को महिला परिचालक पर प्रीति मीणा पर लक्ष्मणगढ़ बस स्टैण्ड पर मारपीट की गई। इस घटना के बाद मे रोडवेज कर्मचारियों द्वारा थानाधिकारी लक्ष्मणगढ, डीवाईएसपी साहब एवं ए.एस.पी. तथा पुलिस अधीक्षक से आरोपियों को गिरफ्तार कराने की मांग की थी, परन्तु आज तक गिरफ्तारी नही होने से रोडवेज कर्मचारियों मे आक्रोश बढता जा रहा है। धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा की धरने के पश्चात भी गिरफ्तारी नही होती है तो 29 अक्टूबर को बस स्टैण्ड से हॉपसर्कस तक आक्रोश रैली निकाल कर कर्मचारी अपना आक्रोश प्रदर्शित करेगें। इसके उपरान्त भी यदि प्रशासन की नींद नही खुलती है तो 05 नव बर 2025 को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चक्काजाम कर प्रशासन की नींद खोलने का प्रयास किया जावेगा। विरोध प्रदर्शन में कॉमरेड संजय चौधरी, सूबेसिंह चौधरी, डालचन्द मिश्रा, गंगाराम शर्मा, कालीचरण जोशी, तेजपाल सैनी, लेखराम शर्मा, शान्ति देवी द्वारा स बोधन किया गया तथा धरने में इनके अलावा पीडित रामेश्वरी बाई सहित इकबाल, लोकेश मीणा, कृष्ण कुमार मीणा, शैल्या शर्मा, सरिता यादव, शरीफ खान, मानसिह मीणा, हमीद खां, सेवाराम सैनी, सतीश, राजेश यादव, अशोक यादव, मनमोहन गोठवाल, महेन्द्र सिंह, मनीष शर्मा, रामेश्वर, बिजेन्द्र जैमन, प्रकाशवीर आदि कर्मचारी शामिल हुए।

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु करें आवेदन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (पीएनबी आरसेटी) के निदेशक जे.पी मीणा ने बताया कि ग्रामीण इलाकों से आने वाली महिलाओं के लिए सिलाई का 31 दिवसीय निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्टूबर से प्रतापबास सामुदायिक भवन केशन नगर स्कीम नं. 13 स्थित पीएनबी आरसेटी में शुरू किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षणकर्ता की रहने -खाने, चाय व नाश्ते की भी निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। अतः ग्रामीण क्षेत्र की इच्छुक महिला प्रशिक्षण हेतु संस्थान के कार्यालय से प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकती है, आवेदन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लिए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के टेलीफोन नंबर-0144-2940830, 9413908044 व 9462194801 पर प्रातः 10 बजे से 5 बजे तक संपर्क कर सकते है।

आवेदन हेतु योग्यता

उन्होंने बताया कि आवेदनकर्ता की उम्र 18 से 45 वर्ष होनी आवश्यक हैं, शैक्षणिक योग्यता कम से कम 8वीं पास होना एवं अलवर, खैरथल-तिजारा व कोटपुतली-बहरोड़ जिले के किसी भी गाँव के स्थाई निवासी होने के साथ स्वयं सहायता समूह, बीपीएल, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा प्राप्त परिवार, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री अंत्योदय योजना के अंतर्गत आते हैं आवेदन कर सकती है।

अपहरण कर बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 30 लाख की मांग करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने एक संगठित ब्लैकमेलिंग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए अपहरण कर बलात्कार के झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर 30 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 अक्टूबर 2025 की शाम करीब 5:30 बजे परिवादी के मोबाइल पर एक महिला शहरुना का फोन आया उसने इलाज के बहाने परिवादी को आरटीओ ऑफिस के पास अपने निवास पर बुलाया। परिवादी अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से वहां पहुंचा, जहां महिला मिली और गाड़ी में पीछे बैठ गई। इसके बाद वह उसे अपने निवास स्थान पर ले गई कुछ देर बाद कमरे में तीन युवक आए उन्होंने मिलकर परिवादी के कपड़े फाड़ दिए और उसे अंडरवियर में खड़ा

कर महिला के साथ आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना लिए इस दौरान आरोपियों ने परिवादी के साथ मारपीट की, उसका सामान और नकदी छीन ली। आरोपियों ने 30 लाख रुपये की फिरौती मांगते हुए धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए तो उसे बलात्कार के झूठे मामले में फंसा देंगे और जान से मार देंगे इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को गाड़ी में बैठाकर पडीसल की ओर ले जाकर रास्ते में धक्का देकर नीचे गिरा दिया। करीब 3 से 4 घंटे तक उसे बंधक बनाकर रखा गया।

पुलिस की तत्परता से खुला राज़

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए टीम का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कांबले शरण गोपीनाथ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. प्रियंका, सहायक पुलिस अधीक्षक शिवानी और वृत्ताधिकारी अंगद शर्मा ने किया थानाधिकारी विनोद सामरिया (शिवाजी पार्क) एवं थानाधिकारी भरतलाल (विजय मंदिर) की संयुक्त टीम ने तकनीकी विश्लेषण और आसूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 12 घंटे में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी से पहले मुख्य आरोपी प्रियांशु उर्फ गोधू ने अपनी पहचान छुपाने के लिए सिर मुंडवा लिया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह पहले भी कई ब्लैकमेलिंग और फिरौती के मामलों में सक्रिय रहा है पुलिस ने इस मामले में वसीम खान उर्फ मूसा पुत्र रफीक खान, उम्र 18 वर्ष, निवासी धोलीदूब, विजय मंदिर रोड, थाना विजय मंदिर, प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू पुत्र स्व. जितेंद्र चौधरी, उम्र 21 वर्ष, निवासी 60 फुट रोड, आजाद नगर, थाना एनईबी व महिला साथी शहरुना पुत्री उस्मान, पत्नी अख्तर खान (हाल पत्नी साकिर), उम्र 33 वर्ष, निवासी आरटीओ ऑफिस के पास, थाना विजय मंदिर को गिरफ्तार किया है पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि यह गिरोह पहले भी कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। पुलिस अब आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है ताकि इनके नेटवर्क का पूरा खुलासा किया जा सके पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति या महिला के झांसे में न आएं, संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

दिनेश एम.एन. जिनके नाम से ही दुबक जाते हैं गैंगस्टर और डकैत

जिन्हें देश के युवा समझते हैं अपना आईकॉन, जो बहादुरी, ईमानदारी, कर्मठता और अनुशासित जीवन शैली के माने जाते हैं पर्याय, जो हर रोज नया धमाका और नया खुलासा करके देश के चर्चित आईपीएस अफसर में हमेशा रहते हैं नंबर वन, जिनके बड़े-बड़े कारनामों और बड़ी-बड़ी उपलब्धियां की कहानी सुनकर देश के लोगों के रोंगटे हो जाते हैं खड़े

जयपुर टाइम्स/जयपुर(कासं.)। इसे राजस्थान के 8 करोड लोगों का सौभाग्य का सौभाग्य ही माना जाएगा कि दिनेश एम. एन. जैसे बहादुर दबंग कर्मठ और ईमानदार आईपीएस ऑफिसर को राजस्थान कैडर मिला भले ही यह आईपीएस अफसर कर्नाटक के रहने वाले हो लेकिन कर्नाटक में जितना लोग इन्हें नहीं जानते उससे कहीं देश के अन्य राज्यों के लोग जानते हैं पूरे देश के लोग इन्हें जानते ही नहीं है बल्कि इनका पूरा सम्मान और आदर करते हैं आज आप देश के किसी भी राज्य में चले जाइए और वहां किसी युवा के सामने सिर्फ दिनेश एम. एन. बोल दीजिए यह नाम सुनते ही उस युवा की आंखें चमक जाएगी वह उत्साहित और रोमांचक हो उठेगा दिनेश एम एन नाम एक बड़ा ब्रांड बन चुका है जो किसी बड़े फिल्म स्टार या किसी बड़े खिलाड़ी की तरह देश के लोगों के दिलों में एक अलग मुकाम बन चुका है भले ही यह अफसर राजस्थान में अपनी सेवाएं दे रहा हो लेकिन इनकी पुलिस की नौकरी में उनके उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कारनामों की गूंज पूरे देश में हो रही है देश में ही नहीं बल्कि इनकी दबंग छवि और इनकी बहादुरी के चर्चे और इनकी ओर से कई बड़े-बड़े अपराधियों के खिलाफ की गई कठोर कार्रवाई से अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, दुबई और अन्य देशों में छुप कर बैठे भारत के प्रमुख गैंगस्टर गैंग से जुड़े कुख्यात बदमाश भी इस आईपीएस अफसर का नाम सुनते ही शांत हो जाते हैं बड़े से बड़े बदमाश और बड़े से बड़े गैंगस्टर को जब यह पता चल जाता है कि दिनेश एम. एन. के हाथों में बदमाशों की दर पकड़ की कमान आ चुकी है तो वह अपनी गतिविधियों को तुरंत बंद कर देता है इस तरह का बड़े से बड़े गैंगस्टर में अपने नाम से ही डर बिठा दिया है इस पुलिस दबंग आईपीएस अफसर ने इसीलिए लोग इन्हें सिंघम भी पुकारते हैं देश की युवा इन्हें अपना आदर्श मानते हैं ।

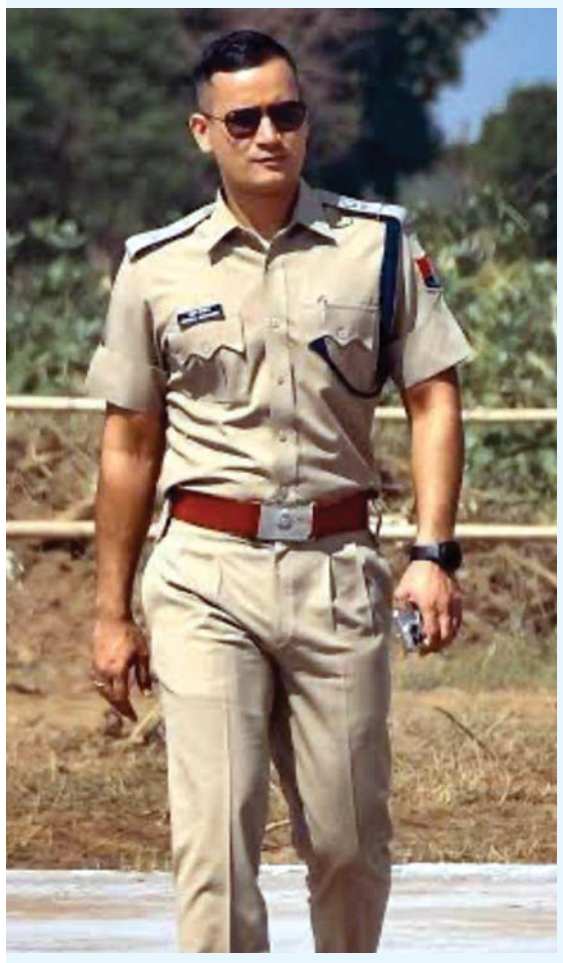

7 साल लंबे समय तक जेल में रहने के बावजूद भी नहीं टूटे और जब जेल से निकले तो और भी मजबूत इरादों के साथ बाहर आए

अगर किसी बेकसूर ईमानदार व्यक्ति को साजिश के तहत लंबे समय तक जेल में रहना पड़ जाए तो जाहिर सी बात है वह भावनात्मक रूप से जेल में इतना टूट जाता है जेल में ही उसे ख्याल आने लगते हैं कि जब वह जेल से बाहर निकलेगा तो कैसे लोगों का सामना करेगा यह सोच सोच कर वह जेल में ही शारीरिक और मानसिक रूप से कही टूट जाता है लेकिन 2007 में जब दिनेश एम. एन. को सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में जेल हुई और करीब 7 साल तक उन्हें जेल में रहना पड़ा बाद में सबूत के अभाव में उन्हें 2014 में कोर्ट से रिहा कर दिया गया लेकिन इतनी लंबे समय में जेल में रहने के बावजूद भी यह दबंग अधिकारी जब जेल से बाहर आए तो पहले से ज्यादा मजबूत और बुलंद इरादों के साथ नजर आए और जब इन्हें फिर से पुलिस में जॉइनिंग दी गई तो अपने पुराने चिर परिचित अंदाज में नजर आए जहां-जहां जिस जिस पद पर पोस्टिंग मिली वहां उन्होंने पहले की तरह ही बड़े-बड़े बदमाशों को सबक सिखाया बड़े-बड़े अधिकारियों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया चाहे गैंगस्टर आनंदपाल सिंह का एनकाउंटर हो या फिर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक सिंह सिंघवी को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार करने का मामला हो ऐसे दर्जनों बड़े-बड़े अधिकारियों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार करके इस आईपीएस अधिकारी ने पूरे हिंदुस्तान भर में तहलका मचा दिया था ।इस अधिकारी के एंटी करप्शन ब्यूरो में बड़े पद पर रहने के दौरान राजस्थान में घूसखोर अधिकारियों में घबराहट छा गई थी अधिकारियों को हर पल यह चिंता सताने लगी थी कि कहीं उन पर भी दिनेश एम. एन. का चाबुक ना चल जाए इस अधिकारी के ओर से करवाई राजस्थान में की जा रही थी लेकिन उनकी कार्रवाई के चर्चे पूरे हिंदुस्तान में हो रहे थे एक तरफ जहां राजस्थान में अपराध जगत से जुड़े लोग इस अधिकारी की दबंगई से घबराकर बिल में दुबक गए थे तो दूसरी तरफ भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों और कर्मचारी में भी जोरदार डर बैठ गया था जिसकी वजह से हर कोई यही कहता हुआ नजर आया कि दिनेश एम .एन जेल में लोहे की तरह तप तपकर मजबूत होकर बाहर निकले हैं ।

चंबल के डकैत भी हो गए थे शांत, प्रदेश में कई जिलों के एसपी रहे आज तक इन सभी जिलों के लोग करते हैं याद

1995 बैच के आईपीएस अधिकारी मुनागनाहली नारायण स्वामी दिनेश नौकरी के शुरू के कार्यकाल में राजस्थान में वर्ष 1998 से 1999 तक दौसा जिले में एडिशनल एसपी पद पर रहे। जयपुर में भी गांधीनगर एडिशनल एसपी पद पर रहे बाद में 2000 से 2002 तक प्रदेश के करौली जिले में एसपी पद पर रहे यहां पर एसपी पद पर रहने के दौरान इन्होंने जिले में अपराध जगत से जुड़े छोटे-बड़े सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की नियमित रूप से अभियान चलाकर बड़े-बड़े गुंडो को जेल में बंद कर दिया तो दूसरी तरफ करौली जिले में चंबल के डकैत गिरोह जिनकी वजह से जिले के बड़े-बड़े कारोबारी और व्यापार जगत से जुड़े लोग हफ्ता वसूली से काफी परेशान रहते थे चंबल के डकैतों का यहां पर व्यापक तौर पर मूवमेंट रहता था ऐसे में जिले की पुलिस की बागडोर हाथ में लेने के साथी मगनाहली नारायण स्वामी दिनेश ने चुन चुन कर डकैत गिरोह से जुड़े लोगों का खात्मा करना शुरू किया पुलिस की छापामार कार्रवाई और मुठभेड़ में कई डकैतों को जेल में डाला गया संयोजित तरीके से प्लानिंग करके डकैतों के मूवमेंट वाली जगह पर जांबाज पुलिस के जवानों की टीमों का गठन करके नियमित रूप से छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया पूरे ऑपरेशन के दौरान खुद आगे बढ़कर टीमों का नेतृत्व करते उनकी इस दबंग वर्किंग स्टाइल को देखकर बड़े से बड़े डकैत भी शांत हो गए उस समय करौली जिले के हर पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारी की कार्यशैली और वर्किंग पॉवर में जबरदस्त बदलाव देखने को मिला था उस समय करौली जिला जो अपराध की घटनाओं को लेकर प्रदेश में हमेशा अव्वल रहता था लेकिन यहां वर्ष 2000 से 2002 तक जब तक मुगलहल्ली नारायण स्वामी दिनेश जिले के पुलिस कप्तान रहे तब तक जिले में अपराध नाम मात्र के रह गए थे सभी बड़े-बड़े गुंडे और बड़े-बड़े डकैत शांत बैठ गए थे डकैत गतिविधियां बिल्कुल खत्म हो गई थी जिससे यहां के व्यापारियों और सामाजिक संगठनों को काफी राहत मिली जब वर्ष 2002 में मुगल हाली नारायण स्वामी दिनेश का करौली से सवाई माधोपुर जिले में एसपी पद पर ट्रांसफर किया गया तो करौली जिले के लोगों ने खूब विरोध किया करौली के लोगों ने सड़कों पर कई दिनों तक आंदोलन किया आईपीएस दिनेश को करौली में ही नियुक्ति देने की मांग को लेकर व्यापारिक और सामाजिक संगठनों ने गृह मंत्री और मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन दिया लेकिन ट्रांसफर निरस्त नहीं हुआ बाद में आज तक भी करौली जिले की जनता और व्यापारी आज भी आईपीएस दिनेश को खूब याद करते हैं जब इन्हें सोराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में जेल भेजा गया उस समय भी करौली के लोगों ने कई दिनों तक सड़कों पर प्रदर्शन किया था करौली की तरह सवाई माधोपुर में भी इस पुलिस अधिकारी ने एसपी पद पर रहते हुए उल्लेखनीय कार्य किया इसके बाद झुंझुनू, अलवर और उदयपुर में एसपी पद पर अपनी सेवाएं दी । जिस भी जिले में रहे वहां की जनता अब तक आईपीएस दिनेश एम. एन. को खूब याद करती हैं अब तक लोग इन्हें मिस करते हैं हर जिले के लोग यह चाहते हैं कि यह अधिकारी उनके जिले की रक्षा करें क्योंकि इन्होंने जहां भी सेवाएं दी वहां पूरी ईमानदारी, अनुशासित और दबंगई से अपराध जगत से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की खुद की जान को जोखिम में डालकर उन्होंने कई बार बड़े-बड़े गुंडो के खिलाफ मुठभेड़ करवाईको अंजाम दिया बेस्ट सुपरविजन और बेस्ट रणनीति के तहत इनकी ओर से अब तक जो भी ऑपरेशन किए गए वह सब सक्सेसफुल रहे इसीलिए जब इन्हें सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में जेल भेजा गया तो जिन जिन जिलों में यह पुलिस अधीक्षक पद पर रहे उन जिलों के लोगों ने कई दिनों तक सड़कों पर प्रदर्शन किया भूख हड़ताल की रैलियां निकाली जुलूस निकाले क्योंकि यह लोग यह जानते थे कि मगनाहली नारायण स्वामी दिनेश निर्दोष है उन्हें साजिश के तहत फसाया गया है ।

अपने नाम के साथ अपने गांव और पिता का नाम, पिता के कहने पर ही यूपीएससी का एक दिया था एग्जाम

1995 बैच के आईपीएस अधिकारी दिनेश एम एन. के नाम में उनके गांव और उनके पिता का नाम उल्लेखित है एन का मतलब नारायण स्वामी जो उनके पिता का नाम है तथा एम का मतलब मुनागनाहली गांव है जो कर्नाटक के चिक्काबुलापुरम जिला के तहत आता है जो यह दिखाता है कि यह सीनियर आईपीएस ऑफिसर अपने गांव की मिट्टी और अपने पिता को कितना आदर और सम्मान करते हैं।जानकारी के अनुसार दिनेश मुनागनहल्ली नारायण स्वामी दिनेश के पिता तहसीलदार थे इनके पिता ने सात बार कर्नाटक सिविल सेवा परीक्षा में अपना भाग्य आजमाया लेकिन सफलता नहीं मिली हालांकि तहसीलदार पद से रिटायर्ड जरूर हुए लेकिन अफसर बनने की जो इच्छा थी वह इच्छा वह पूरी नहीं कर पाए लेकिन दिनेश एमएन के इंजीनियरिंग एंड कम्युनिकेशन में बीटेक करने के बाद इनके पिता ने इन्हें यूपीएससी का एग्जाम देने के लिए प्रेरित किया और कहा कि आप काम से कम दो बार यह एग्जाम दीजिए अगर सिलेक्शन हो जाता है तो ठीक है अन्यथा फिर आपका जो मन करे वह कीजिए अपने पिता के सपने को साकार करने और अपने पिता के कहे अनुसार मोगनहल्ली नारायण स्वामी दिनेश ने यूपीएससी का एग्जाम दिया और पहले ही प्रयास में उन्हें सफलता मिली इस तरह से 1995 के आईपीएस कैडर के रूप में इनका चयन हुआ । एक साधारण से परिवार में जन्मे इस आईपीएस अफसर ने आईपीएस की नौकरी में अब तक बहुत उतार-चढ़ाव देखे लेकिन अपने मजबूत इरादों ईमानदारी और समर्पित भाव से अपने उत्कृष्ट कार्यो और दबंग छवि से जो मुकाम हासिल किया ऐसा मुकाम राजस्थान में अब से पहले किसी अन्य आईपीएस अफसर ने हासिल नहीं किया हालांकि इस आईपीएस अफसर के परिजनों मित्रों और दोस्तों ने अपनी आंखों से अपने निर्दोष लाडले को जेल जाते हुए देखा लेकिन उस समय भी पूरे राजस्थान भर में इस आईपीएस अफसर के समर्थन में लोग सड़कों पर उतर गए थे राजस्थान विधानसभा में भी तत्कालीन गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा था कि राजस्थान सरकार इस अधिकारी को जेल से छुड़ाने के लिए जी जान लगा देगी उस समय चारों तरफ से इस अधिकारी के समर्थन में आवाज़ आ रही थी उस समय मुगलहल्ली नारायण स्वामी दिनेश के परिजनों को यह एहसास हो गया था कि भले ही उनका लाडला जेल जा रहा हो लेकिन राजस्थान के लोगों का जो प्यार उनके साथ जुड़ा हुआ है उस प्यार की बदौलत उनका बेटा पूरे सम्मान के साथ और मजबूती के साथ जेल से बाहर जरूर आएगा और उनका यह सपना और उम्मीद पूरी भी हुई जब दिनेश जेल से बाहर आए तो पुलिसिंग में क्रांतिकारी हीरो की तरह उभरकर सामने आए।

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामला

राजनीति की भेंट चढ़ा एक दबंग आईपीएस का करियर : नवंबर 2005 में कुख्यात अपराधी सोहराबुद्दीन का गुजरात और राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एनकाउंटर किया गया था दोनों ही राज्यों की पुलिस के पास सबूत थे कि सोहराबुद्दीन आतंकवादी संगठन लश्करे तौबा के लिए काम करता है इसके अलावा राजस्थान और गुजरात दोनों ही राज्यों के बड़े कारोबारी इस बात से भी काफी परेशान थे कि उन्हें डरा धमका कर सोहराबुद्दीन पैसे वसूल करता था उसे समय मुगलहल्ली नारायण स्वामी दिनेश उदयपुर के एसपी थे राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी मुख्यमंत्री पद पर वसुंधरा राजे और गृहमंत्री पद पर गुलाबचंद कटारिया विराजमान थे। गुजरात थे गृहमंत्री अमित शाह थे तो मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी थो। लेकिन केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी जब नवंबर 2005 में सोहराबुद्दीन का गुजरात और राजस्थान पुलिस की संयुक्त टीमों ने एनकाउंटर किया उस समय एनकाउंटर करने वाली पुलिस टीमों का कहना था कि सोहराबुद्दीन ने उन पर फायर किए इसलिए आत्मरक्षा में उन्होंने सोहराबुद्दीन के भागते हुए गोली मारी सोहराबुद्दीन की मौत के बाद यह मामला पूरी तरह से राजनीति में तब्दील हो गया विपक्षी दल इस फर्जी एनकाउंटर करार देने लगे जबकि व्यापार जगत के लोगों में और उदयपुर के लोगों में इस बात की काफी प्रसन्नता थी कि एक कुख्यात अपराधी की मौत हो गई है लेकिन सोहराबुद्दीन के परिजनों ने इस फर्जी एनकाउंटर बताते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सीबीआई जांच की मांग करवाई बाद में जब इसकी सीबीआई जांच हुई तो जांच में फर्जी एनकाउंटर बताया गया जिसके बाद उदयपुर के तत्कालीन एसपी मुगलहल्ली नारायण स्वामी दिनेश और अन्य पुलिस अधिकारियों को जेल हुई मामला सीबीआई कोर्ट में पहुंचा करीब 7 साल तक मुगलहल्ली नारायण स्वामी दिनेश के जेल में रहने के बाद 2014 में कोर्ट ने सबूत के अभाव में इस मामले में आईपीएस दिनेश को क्लीन चिट देते हुए उन्हें रिहा कर दिया और उन्हें 2017 में फिर से राजस्थान में उन्हें आईपीएस में बड़े पदों पर नियुक्ति देने का सिलसिला शुरू किया । अगर देखा जाए तो यह मामला पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित नजर आया क्योंकि सोहराबुद्दीन के एनकाउंटर के दौरान राजस्थान और गुजरात में भाजपा की सरकार थी केंद्र में कांग्रेस पार्टी की भाजपा सोहराबुद्दीन केफेवर एनकाउंटर का दावा करती थी तो कांग्रेस पार्टी से फर्जी एनकाउंटर बता रही थी जिसकी वजह से सोहराबुद्दीन के परिजनों को ताकत मिली और उन्होंने इस मामले को कोर्ट में ले जाकर लंबे समय तक उलझा दिया जिसकी वजह से कई दिनों तक निर्दोष रहते हुए भी मगनहल्ली नारायण स्वामी दिनेश को जेल में दिन काटने पड़े लोगों का कहना है कि अगर 7 साल तक यह आईपीएस अधिकारी राजस्थान में अपनी सेवाएं देता तो निश्चित रूप से राजस्थान में लोगों को काफी राहत मिलती एक तरफ एक ईमानदार और दबंग अधिकारी की सेवा जनता को नहीं मिल पाई तो दूसरी तरफ दबंग और ईमानदार पुलिस अधिकारी की पुलिस की सर्विस का करियर भी डिस्टर्ब हुआ ।

प्रोफेसर पत्नी और बेटियों ने भी बहुत कष्ट झेले

1971 में कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिले में मगनाहली में साधारण परिवार में जन्म लेने वाले मगनाहली नारायण स्वामी दिनेश 1995 बीच के आईपीएस अधिकारी हैं उनकी शादी 1999 में विजयलक्ष्मी जो प्रोफेसर हैं उनके साथ हुई जब आईपीएस दिनेश को सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में जेल हुई उस समय उनकी दो मासूम बेटियों भी थी दो मासूम बेटियों का पिता होने के नाते जेल में खुद को किस तरह से अपने आप को उन्होंने लंबे समय तकसंभाले रखा यह तो आईपीएस मगनाहली नारायण स्वामी दिनेश ही बता सकते हैं लेकिन इतना जरूर है हर पिता जब दिन में नौकरी करके अपने घर लौटता है तो उसकी आंखों में उसके छोटे बच्चों की तस्वीर ही बसी रहती है और बच्चों को भी सूरज ढलने के साथ ही अपने पिता के आने का बेताबी से इंतजार रहता है उन्हें लगता है कि उनके पिता उनके लिए टॉफी ट्रॉफी या कोई गिफ्ट जरूर लेकर आएंगे इसलिए आईपीएस दिनेश और उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी के लिए इस कठिन और विपरीत परिस्थितियों का मुकाबला स्थघस आसान नहीं था लेकिन इसके बावजूद भी एक तरफ जहां विजयलक्ष्मी अपने पति को जेल से बाहर निकालने के लिए पूरा प्रयास करती रही तो दूसरी तरफ अपने घर परिवार का खर्चा मेंटेन करने के अलावा अपने दोनों बेटियों की पढ़ाई इत्यादि की व्यवस्था करना भी एक बड़ी चुनौती थी लेकिन इन सब बड़ी-बड़ी चुनौतियों का विजयलक्ष्मी ने बखूबी से सामना किया क्योंकि उन्हें पता था कि राजस्थान की जनता का प्यार उनके पति के साथ है और राजस्थान की जनता के प्यार और आशीर्वाद से उनके पति इज्जत के साथ जेल से बाहर आएंगे और फिर से नाम कमाएंगे वैसा ही अब हो रहा है आज आईपीएस दिनेश के कार्यों से राजस्थान के भजन लाल सरकार और केंद्र की मोदी सरकार भी खूब प्रभावित है लेकिन इतना जरूर है कि विजयलक्ष्मी और उनकी बेटियों ने जो कष्ट आईपीएस दिनेश के 7 साल तक जेल में रहने के दौरान झेले हैं उनकी पीड़ा को शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है ।

तत्कालीन खान सचिव अशोक सिंघवी और उनके दलाल संजय सेठ को गिरफ्तार करके हिंदुस्तान कीब्यूरोक्रेसी में मचा दी थी खलबली

2017 में वसुंधरा राज्य सरकार ने मगनाहली नारायण स्वामी दिनेश को उदयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आईजी पद पर नियुक्त किया । खान विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने में आईपीएस दिनेश एम. एन. ने करीब 2 महीने तक अपने स्तर पर बेस्ट सुपरविजन के माध्यम से गुपचुप में खान मालिकों और खान विभाग में तैनात अधिकारियों के बीच आपस में मिली भगत का जो गेम चल रहा था उस पर बारीकी से नजर रखना शुरू किया इसके लिए फोन टैपिंग और अन्य तकनीकी संचार माध्यमों के आधार पर कई तरह के सबूत इकट्ठे किए इनमें पाया गया कि पहले खान विभाग के अधिकारी खान का निरीक्षण करने जाते हैं फिर उन्हें मौके पर कमी बात कर नोटिस भिजवा देते हैं नोटिस के बाद समझौता का खेल शुरू होता है जिसमें पैसों का लेनदेन किया जाता है इन सब गतिविधियों का संकलन करने के लिए आईपीएस दिनेश ने ठोस तकनीकी का इस्तेमाल किया 2 महीने तक गहरा होमवर्क करने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के तत्कालीन पुलिस महानिदेशक परम नवदीप को विस्तार से इस पूरे प्रकरण के बारे में बताया जिसमें तत्कालीन खान अशोक सिंघवी के भ्रष्टाचार में लिप्त होने के सबूत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक परम नवदीप ने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को बताए गए इसके बाद अशोक सिंघवी और उनके दलाल संजय सेठ को मोगनाहली नारायण स्वामी दिनेश के अगुवाई में गई टीम ने गिरफ्तार किया सिंघवी के आवास से करीब ढाई करोड रुपए बरामद किए गए एंटी करप्शन ब्यूरो की इस कार्रवाई से राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे हिंदुस्तान की ब्यूरोक्रेसी में हलचल मच गई यह राजस्थान के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्यवाही थी जब किसी भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत की इतनी बड़ी रकम के साथ गिरफ्तार किया गया । आईपीएस दिनेश में दिनेश एम. एन. कि यह कार्रवाई इसलिए भी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है कि इस कार्रवाई में रिश्वत देने वाले और रिश्वत लेने वाले दोनों को ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गिरफ्तार किया खान विभाग में खान विभाग के अधिकारियों और खान मालिकों के बीच आपस में सेटिंग का जो भ्रष्टाचार का खेल चल रहा था इसका भंडाफोड़ करके आईपीएस दिनेश ने सबको आश्चर्य चकित कर दिया इस कार्रवाई के बाद तो कर्नाटक की मिट्टी में जन्म लेने वाला यह आईपीएस अधिकारी पूरे हिंदुस्तान का चर्चित अधिकारी बन गया राजस्थान के प्रशासनिक हलके में तैनात हर वह अधिकारी और कर्मचारी जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा था वह अब आईपीएस मगनाहली नारायण स्वामी दिनेश के नाम सुनते ही घबराने लगा था ।

निष्प्रभावी होते मतांतरण रोधी कानून

इस्लाम और ईसाइयत द्वारा संचालित मतांतरण की प्रक्रिया ने भारत की सनातन संस्कृति और दर्शन को उसकी उदारता, सहिष्णुता और सर्वसमावेशी दृष्टिकोण के कारण हमेशा से निशाने पर रखा है। आज देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा हो, जहां मतांतरण के कपटपूर्ण धंधे को संगठित रूप से न चलाया जा रहा हो। मतांतरण में लिप्त लोग दलित, वंचित और भोले-भाले निर्धन समुदायों को अपना शिकार बनाते हैं। जब प्रलोभन से बात नहीं बनती, तो वे छल, कपट, झूठे चमत्कार और मिथ्या धार्मिक एवं जातिवादी विमर्श का सहारा लेते हैं। कोई सेवा और चिकित्सा के नाम पर यह धंधा करता है, तो कोई जन्नत-दोजख के बहाने। स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि देश के कई क्षेत्रों में मतांतरण ने स्थानीय जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। संपन्न माना जाने वाला पंजाब भी पिछले कुछ समय से मतांतरण कराने वाले पादरियों की...

राजस्थान सरकार ने छल-बल या प्रलोभन के माध्यम से किए जाने वाले मत परिवर्तन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जो 'धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक' पारित किया था, वह राज्यपाल की स्वीकृति के बाद कानून बन गया है। इस अधिनियम में जबरन या कपटपूर्ण मतांतरण के विरुद्ध अत्यंत कठोर दंडात्मक प्रविधान किए गए हैं। इस कानून के अनुसार, मतांतरण से जुड़े सभी अपराध गैर-जमानती होंगे, जिनकी सुनवाई सत्र न्यायालय में की जाएगी और आरोपितों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। मतांतरण का प्रश्न केवल आस्था या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय नहीं है, बल्कि यह समाज की एकता, सांस्कृतिक संतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से छल-बल, प्रलोभन या लालच के माध्यम से मतांतरण कराने के अनेक मामले सामने आए हैं। भारत जैसे सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध राष्ट्र में इस प्रकार की गतिविधियां न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक विविधता के लिए चुनौती बनी हुई हैं, बल्कि वे सामाजिक समरसता को भी कमजोर कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में राजस्थान सरकार ने यह कानून बनाकर संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार का जबरन या कपटपूर्ण मत परिवर्तन न तो व्यक्तिगत अधिकारों के नाम पर स्वीकार्य होगा और न ही समाज के हित में सहनीय। भारत में मतांतरण सदियों से पोषित, संरक्षित, सुनियोजित वैश्विक अभियान का हिस्सा है। इस्लाम और ईसाइयत द्वारा संचालित मतांतरण की प्रक्रिया ने भारत की सनातन संस्कृति और दर्शन को उसकी उदारता, सहिष्णुता और सर्वसमावेशी दृष्टिकोण के कारण हमेशा से निशाने पर रखा है। आज देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा हो, जहां मतांतरण के कपटपूर्ण धंधे को संगठित रूप से न चलाया जा रहा हो। मतांतरण में लिप्त लोग दलित, वंचित और भोले-भाले निर्धन समुदायों को अपना शिकार बनाते हैं। जब प्रलोभन से बात नहीं बनती, तो वे छल, कपट, झूठे चमत्कार और मिथ्या धार्मिक एवं जातिवादी विमर्श का सहारा लेते हैं। कोई सेवा और चिकित्सा के नाम पर यह धंधा करता है, तो कोई जन्नत-दोजख के बहाने। स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि देश के कई क्षेत्रों में मतांतरण ने स्थानीय जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। संपन्न माना जाने वाला पंजाब भी पिछले कुछ समय से मतांतरण कराने वाले पादरियों की सक्रियता का शिकार है। देश के लगभग दस राज्यों ने मतांतरण रोधी कानून बना रखे हैं। इनमें से कुछ राज्यों ने राजस्थान की तरह अपने मतांतरण रोधी कानून को कठोर भी किया है। इनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है, लेकिन इसके बाद भी मतांतरण की खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं। बीते दिनों ही बरेली से खबर आई कि सुमित मैसी नामक पादरी को उसके साथियों समेत मतांतरण के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार ये लोग सामाजिक रूप से कमजोर तबके को निशाना बना रहे थे। इसके पहले खबर आई थी कि सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मतांतरण रोधी कानून की कुछ धाराओं के बारे में कहा कि वे संविधान की कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। यह भी ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट चार राज्यों के मतांतरण रोधी कानूनों पर उनसे जवाब मांग चुका है। स्पष्ट है कि मतांतरण रोधी कानूनों को कठोर करने की अपनी सीमाएं हैं। यदि हम मतांतरण रोधी कानूनों के प्रभाव का विश्लेषण करें तो पाएंगे कि कानून तो बना दिए जाते हैं और उन्हें कठोर भी कर दिया जाता है, पर उनका क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाता। मतांतरण में लिप्त लोग समाज के जिन वर्गों को अपना शिकार बनाते हैं, उनमें उतनी जागरूकता नहीं होती कि वे इन तत्वों के विरुद्ध समय पर समुचित कानूनी कार्रवाई कर सकें या उनकी तिकड़मों को समय रहते भांप सकें। आखिर कठोर कानून होने के बावजूद मतांतरण के अपराध में संलिप्त सजा पाने वाले आरोपितों की संख्या लगभग नगण्य क्यों है? मतांतरण पर लगाम न लग पाने का एक कारण सामाजिक भी है। आज भी हिंदू समाज जातियों के नाम पर बंटा है। यदि सामाजिक समरसता के भाव को एक सिरे से दूसरे सिरे तक प्रबल नहीं किया गया तो विभाजनकारी शक्तियां समाज को बांटने के उद्देश्य में सफल होती रहेंगी। अपने संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति के लिए लालायित राजनीतिक दल कोढ़ में खाज का काम कर रहे हैं। वे जातीय भेदभाव की आग में घी डालते हैं और कई बार मतांतरण रोधी कानूनों की आलोचना करते हैं। मतांतरण रोकने के लिए समाज के भीतर से ही एकता और समरसता की भावना एवं सांस्कृतिक चेतना का संचार होना चाहिए। केवल विचारों के स्तर पर ही नहीं, जमीन पर भी सेवा, सहयोग, शिक्षा एवं चिकित्सा के सहस्रों प्रकल्प तथा संकल्प साकार होने चाहिए। मतांतरण केवल आस्था, उपासना एवं पूजा पद्धति आदि का ही रूपांतरण नहीं है। वह राष्ट्रांतरण भी है।

सम्पादकीय

स्वच्छता अभियान की पोल खुली

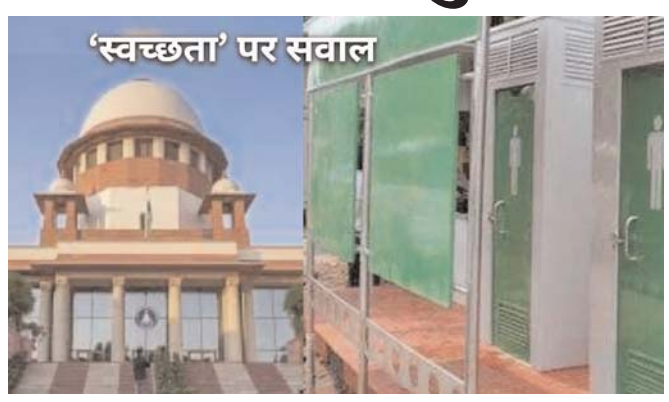

यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सरकार पिछले कई वर्षों से स्वच्छता अभियान और हर जरूरी जगहों पर शौचालय की उपलब्धता के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, इसमें बड़ी कामयाबी मिलने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। हाल ही में देश भर की अदालतों में शौचालयों की दशा पर उच्चतम न्यायालय में वस्तुस्थिति रपट दाखिल की गई। रपट के मुताबिक, इन अदालत परिसरों में शौचालयों की लगातार अस्वच्छ स्थिति वहां के सभी उपयोगकर्ताओं के मौलिक और सम्मान के अधिकारों का उल्लंघन है। रपट में कहा गया है कि यह सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करने में नाकामी है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब अदालत परिसरों की यह स्थिति है, तो बाकी जगहों पर क्या दशा होगी। निश्चित रूप से अदालत परिसरों की यह तस्वीर अफसोसनाक है, लेकिन यह केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह भी देखने की जरूरत है कि क्या हर जरूरी जगह पर ऐसे स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय मौजूद हैं, जिसका उपयोग करने में किसी को हिचक न हो। सच यह है कि स्वच्छता अभियान के एक दशक बाद भी कई जगहों पर सार्वजनिक शौचालयों की कमी दिखती है। जिन जगहों पर शौचालय बनाए भी गए हैं, तो कई बार वहां की गंदगी देख कर लोग उनका इस्तेमाल नहीं करते। लंबी दूरी वाले मार्गों पर बहुत कम जगहों पर यह सुविधा है। हालत यह है कि जिन पेट्रोल पंपों पर शौचालय की सुविधा है, वहां केवल तेल लेने आए वाहनों में बैठे लोगों को ही उसके उपयोग की इजाजत दी जाती है। आम लोगों को कई बार मना कर दिया जाता है। यह निराशाजनक है कि खुले में शौच मुक्त वातावरण देने का वादा करने और इसके लिए अभियान चलाने वाली सरकार ने शौचालय बनाने के दावे तो किए, लेकिन उनकी साफ-सफाई के मानक नहीं तय किए। नतीजा यह कि इसकी समावेशी उपयोगिता का उद्देश्य ही हाशिये पर चला गया। दो साल पहले हुए एक सर्वेक्षण में कई लोगों ने माना था कि इन शौचालयों की दशा में कोई सुधार नहीं दिखता। सवाल है कि क्या केवल स्वच्छता का नारा देने भर से इसके उद्देश्य को हासिल किया जा सकेगा?

राहुल गांधी की नाकाम राजनीति

पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 15 अगस्त, 2011 को लाल किले की प्राचीर से कहा था कि देश की तरक्की में भ्रष्टाचार सबसे बड़ी बाधा है, लेकिन इससे निपटने के लिए उनके पास कोई जादुई छड़ी नहीं है। मनमोहन सरकार में भ्रष्टाचार के एक से बढ़कर एक बड़े मामले सामने आए थे। इनमें 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन से लेकर राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में घोटाले के मामले सुर्खियों में छाए रहे। इस पर जब उनसे सवाल किया जाता तो वह कहते कि गठबंधन सरकारों की अपनी कुछ मजबूरियां होती हैं। केंद्र में जब उनकी सरकार बदली तो भ्रष्टाचार से निपटने का रवैया भी पूरी तरह बदल गया, बल्कि यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि भ्रष्टाचार पर उनका लचर रवैया भी केंद्र में सत्ता परिवर्तन का एक कारण बना। नरेन्द्र मोदी ने देश की कमान संभालने के पहले ही कह दिया था कि 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा।' मोदी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने इस संकल्प को बार-बार दोहराया भी। उन्होंने 2016 में कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने की कोशिश में जुटी हुई है और मैं भ्रष्टाचार को जड़ से मिटा कर ही दम लूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तरह कथित राजनीतिक विवशता का रोना न रोते हुए मोदी देश में नई प्रशासनिक संस्कृति की नींव डाल रहे हैं। मोदी सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान से परेशान कांग्रेस समेत एक दर्जन से अधिक राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की कि केंद्र सरकार सीबीआइ, ईडी और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। सवाल है कि यदि दुरुपयोग हो रहा है तो अदालतें हस्तक्षेप क्यों नहीं कर रही हैं? भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार के कोई समझौता न करने वाले रवैये के कारण ही नेहरू-गांधी परिवार को यह अहसास हुआ है कि उन्हें ऐसे मामलों में कोई राहत नहीं मिलने वाली। ध्यान रहे कि नेशनल हेराल्ड से संबंधित मुकदमा सुब्रमण्यम स्वामी की जनहित याचिका के आधार पर मनमोहन सिंह के शासनकाल में ही शुरू हुआ था। नेहरू-गांधी परिवार ने शायद सोचा होगा कि मोदी सरकार में उन्हें इस मामले में रियायत मिल सकती है, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों इस केस में जमानत पर हैं। उनका सत्ता में लौटने का सपना भी दूर-दूर तक पूरा होता नहीं दिख रहा। इस निराशा से उपजी कुंठा के कारण ही राहुल गांधी का अपनी वाणी पर कोई संयम नहीं रह गया है। उन्होंने सत्य और असत्य का भेद मिटा दिया है। वे मोदी के खिलाफ धमकी, गाली-गलौज और अत्यंत अशिष्ट शब्दों का इस्तेमाल करने से भी गुरेज नहीं करते। इसके चलते उन्हें कई मुकदमों का भी सामना करना पड़ रहा है, लेकिन लगता है कि उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं। उन्हें इस बात से भी फर्क नहीं पड़ रहा कि उनके ऐसे रवैये से राजनीतिक विमर्श का स्तर रसातल में ही क्यों न चला जाए या संसद की गरिमा तार-तार हो जाए। अपने बड़बोलेपन में उन्हें यह भी अहसास नहीं रहता कि वे क्या कह रहे हैं। कभी वे भारतीय राज्य पर सवाल उठाते हैं कि भारत राष्ट्र न होकर महज राज्यों का एक संघ है तो कभी कहते हैं कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा-आरएसएस से ही नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट यानी भारतीय राज्यव्यवस्था से है। इसी से राहुल गांधी की मानसिकता को समझा जा सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निराधार आरोप लगाए। जब आयोग ने राहुल से कहा कि वे अपने आरोपों के पक्ष में शपथपत्र दें तो राहुल उसके लिए राजी नहीं हुए। इसी से संकेत मिला कि उनके आरोपों में कितना दम था। महात्मा गांधी ने एक समय 'सत्य के साथ प्रयोग' किए थे, लेकिन लगता है कि राहुल गांधी ने असत्य को ही अपनी प्रयोगशाला बना लिया है। जब उनके आरोप नहीं टिकते तो वे तुरंत नया राग छेड़ने लगते हैं। जब आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर निशाना साधने से बात नहीं बनी तो वे कहने लगे कि जदयू-भाजपा की सरकार ने बिहार को बर्बाद कर दिया। ऐसा आरोप मढ़ते हुए राहुल भूल गए कि बिहार में लालू प्रसाद यादव के कुख्यात जंगलराज का हिस्सा उनकी पार्टी कांग्रेस भी रही है। लालू सरकार में बिहार की जो प्रति व्यक्ति आय आठ हजार रुपये थी, वह नीतीश राज में बढ़कर 68 हजार रुपये हो गई है। वस्तुतः कुछ भी कह देना और उसके पक्ष में कोई साक्ष्य न देना राहुल गांधी की शैली बन गई है। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी उन्होंने श्रीनगर में कहा था कि 'देश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहा है। उनका यौन शोषण हो रहा है, लेकिन पुलिस उन्हें न्याय नहीं दिला पर रही है।'

सर्दी की शुरूआत में ही प्रवासी पक्षियों का आगमन शुरू

कैलाश मानसरोवर तथा उसके आसपास लाल तलाईयों में रहने वाला राजहंस पक्षी अपने जोड़े के साथ नवंबर के प्रथम सप्ताह में उत्तराखंड की झीलों में डेरा डालेंगे। और धीरे-धीरे नवंबर के अंतिम सप्ताह तक उत्तराखंड की सभी झीलें और नदियां प्रवासी पक्षियों के झुंडों से सराबोर हो जाएंगी। देहरादून के विकास नगर के आसान झील क्षेत्र के वन विभाग के वन दरोगा प्रदीप सक्सेना का कहना है कि उत्तराखंड में प्रवासी पक्षियों का आगमन अक्टूबर के महीने में शुरू हो जाता है और वे यहां पर मार्च तक यहां प्रवास करते हैं।

उत्तराखंड में प्रवासी पक्षियों का आगमन इस साल समय से शुरू हो गया है, परंतु इनकी संख्या पिछले सालों के मुकाबले अभी बहुत कम है, क्योंकि अभी इनके लिए सर्दी बहुत कम है सर्दी बढ़ने पर इनकी तादाद बढ़ेगी। अंतर्राष्ट्रीय पक्षी विज्ञानी और गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश चंद्र भट्ट का कहना है कि इस बार अभी तक प्रवासी पक्षियों की 12 प्रजातियां ही उत्तराखंड की विभिन्न नदियों और झीलों में आई है। जिनमें साइबेरिया के सुर्खाब, पनकौवा, चकवा, चकवी, तील, मेलार्ड, सैंड पाइपर, स्पाट बिल डक, रिवर लैपविंग, नेट स्टील्स आदि शामिल है। देहरादून के विकास नगर क्षेत्र में आसान झील में सबसे पहले दस्तक साइबेरिया के सुर्खाब विदेशी पक्षी ने दी है और सर्दियां बढ़ने के साथ-साथ ही अन्य प्रजातियों के पक्षी भी पहुंचने लगेंगे। कैलाश मानसरोवर तथा उसके आसपास लाल तलाईयों में रहने वाला राजहंस पक्षी अपने जोड़े के साथ नवंबर के प्रथम सप्ताह में उत्तराखंड की झीलों में डेरा डालेंगे। और धीरे-धीरे नवंबर के अंतिम सप्ताह तक उत्तराखंड की सभी झीलें और नदियां प्रवासी पक्षियों के झुंडों से सराबोर हो जाएंगी। देहरादून के विकास नगर के आसान झील क्षेत्र के वन विभाग के वन दरोगा प्रदीप सक्सेना का कहना है कि उत्तराखंड में प्रवासी पक्षियों का आगमन अक्टूबर के महीने में शुरू हो जाता है और वे यहां पर मार्च तक यहां प्रवास करते हैं। उत्तराखंड के देहरादून के विकास नगर क्षेत्र में आसान झील के अलावा डाकपत्थर बैराज, ऋषिकेश के वीरभद्र गंगा बैराज, हरिद्वार के भीमगोडा गंगा बैराज, हरिद्वार के कनखल स्थित मिस्सरपुर में गंगा नदी इन प्रवासी पक्षियों के पसंदीदा डेरे हैं। उत्तराखंड के वन विभाग द्वारा प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए गश्त बढ़ा दी गई है और मानवीय हस्तक्षेप को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तराखंड के तराई और मैदानी क्षेत्रों में प्रवासी पक्षी इस बार पिछले साल के मुकाबले समय पर आए हैं और इस बार उनके लिए उत्तराखंड में प्रजनन के लिए मौसम भी अनुकूल दिखाई दे रहा हैं। विज्ञानियों का मानना है कि ऐसा बदलते पर्यावरण के कारण हो रहा है और इस बार पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी भी पिछले साल के मुकाबले पहले पड़ने लगी है, जैसे-जैसे ठंड बढ़ती जाती है, प्रवासी पक्षी अपने मूल ठिकानों से उत्तराखंड के तराई और मैदानी क्षेत्रों की ओर कूच कर जाते हैं। इस साल मध्य एशिया, मंगोलिया, चीन, साइबेरिया व रूस के पूर्वी क्षेत्रों से आने वाले प्रवासी पक्षियां देहरादून के कालागढ़ क्षेत्र में यमुना घाटी, ऋषिकेश तथा हरिद्वार के गंगा तटों पर आ चुके है। प्रवासी पक्षियों की कुछ प्रजातिया जैसे सुर्खाब, जल काग ,ब्लैकविंग इसटिल्ट, रीवर लैपविंग, स्पाटबिल्ड डक, वैगटेल यानी सुदंर नेत्रों वाली खंजन, सैंड पाइपर, ,रीवर टर्न, रेड़नेप्पड़ आइबिस के समूह ऋषिकेश और हरिद्वार के गंगा क्षेत्र पर अपना नया ठिकाना बना चुके हैं।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
25 अक्टूबर, 2025

महाराज बाग सर्किल पर घंटों तक जाम, प्रशासन रहा बेपरवाह

जयपुर टाइम्स

धौलपुर (निसं.)शहर के व्यस्ततम क्षेत्र महाराज बाग सर्किल पर गुरुवार को घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। सड़क के दोनों ओर अवैध अतिक्रमण और आड़े-तिरछे खड़े वाहनों ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। इस दौरान विकास अधिकारी की गाड़ी काफी देर तक आपातकालीन सायरन बजाती रही, लेकिन अतिक्रमणकारियों और वाहन चालकों पर इसका कोई असर नहीं हुआ। मुख्य सड़क के बीचों-बीच प्राइवेट बसें और रोडवेज की गाड़ियां खड़ी होने से हालात और बिगड़ गए। पैदल चलने वालों तथा स्कूली वाहनों को भी जाम में फंसकर भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण कर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति कोई नई नहीं है – महाराज बाग सर्किल पर सुबह और शाम के समय रोजाना जाम की समस्या बनी रहती है। प्रशासनिक उदासीनता के चलते न तो अतिक्रमण हटाया जा रहा है, न ही ट्रैफिक पुलिस की नियमित निगरानी दिखाई देती है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सर्किल क्षेत्र से स्थायी रूप से अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए, ताकि आमजन को इस तरह की परेशानी से राहत मिल सके।

किड्स गार्डन ए.आई.स्कूल में हुआ विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

147 यूनिट रक्त का हुआ संग्रहण, युवाओं में दिखा उत्साह

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)। शहीदों की याद में किड्स गार्डन ए.आई. स्कूल पावटा में शुक्रवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर किड्स गार्डन ए.आई. स्कूल पावटा के सौजन्य से तथा रजनेश यादव व निदेशक कमल यादव के संयोजन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान जयपुर के सत्यम ब्लड बैंक की टीम द्वारा कुल 147 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया।रक्तदान के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने शहीदों की स्मृति में रक्तदान कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में किशनलाल गुरुजी,रवि शंकर सैनी, सोमवीर मीणा, मनोज यादव, जितेंद्र कुम्हार सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।निदेशक कमल यादव ने कहा कि "शहीदों के सम्मान में किया गया रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। हमारे विद्यालय परिवार को गर्व है कि इस पुनीत अवसर पर युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज में प्रेरणा का संदेश दिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का आभार जताया।

श्री 108 श्री विधाणी महाराज ने भक्तों के घर पधारकर दिया आशीर्वाद

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) :- चाकसू उपखंड के गांव छान्देल कला में शुक्रवार को विधाणी धाम के महाराज श्री मिथिला बिहारी जी अपने परिवार के साथ ने पधारकर अपने भक्तों को आर्शिवाद दिया। वहीं महाराज के सेवक कैलाश चन्द शर्मा ने बताया कि, जहां जहां भी महाराज श्री पधारे उनके सेवकों ने महाराज का भव्य स्वागत किया। इस दौरान रूपाहेडी कलां में रामधन गुर्जर के घर महाराज) के साथ सैकड़ों लोगों ने चूरमा दाल बादी का प्रसाद ग्रहण किया। इसी प्रकार छांन्देल कला में सेवक रामगोपाल प्रजापत, शिक्षक कैलाश चन्द शर्मा के घर भी पधारकर उनके परिवार को शुभार्शिवाद दिया। सेवकों ने जगह जगह रंगोली बनाकर एवं तोरणद्वार बनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर कैलाश चन्द शर्मा, रामगोपाल प्रजापत, रामपाल शर्मा, रवि तिवाड़ी, हेमराज गुर्जर गुरुशरण शर्मा सहित सैकडो गुरुभक्त उपस्थित रहे।

बिदासर पुलिस ने 6 घंटे में किया चोरी का खुलासा

चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार कर शत प्रतिशत माल किया बरामद

बीदासर-(निसं.) ग्राम सारंगसर निवासी राजवीर सिंह राजपूत ने गुरुवार रात्रि दो बजे पुलिस को सूचना दी की हमारा परिवार गांव की गौशाला में जागरण देखने के लिए गया था रात्रि के समय अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर ताले तोड़कर सोने चांदी के गहने और नगदी चुरा कर ले गया जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और मात्र 6 घंटे में मुलजिम को गिरफ्तार किया। थाना अधिकारी मुकुट बिहारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही टीम का गठन कर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई, काफी प्रयास के बाद आरोपी जितेंद्र सिंह पुत्र दुलसिंह राजपूत उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से चोरी का करीब 11 लाख रुपये का सोने चांदी के जेवरात सहित शत प्रतिशत माल बरामद किया गया। कार्यवाही में महेश कुमार मीणा व संतोष कुमार की अहम भूमिका रही।

पूर्व मंत्री बनवारीलाल शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सर्वसमाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ऐतिहासिक रक्तदान शिविर का हुआ सफल आयोजन, 211 यूनिट हुआ रक्तदान

रक्तदाताओं में दिखा उत्साह, ब्लड डोनेट करने उमड़े युवा

जयपुर टाइम्स

पूर्वी राजस्थान के कद्दावर नेता एवं राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री और धौलपुर से पांच बार के विधायक रहे धौलपुर के लाल स्व.बनवारीलाल शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर धौलपुर सर्वसमाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शुक्रवार को मचकुंड रोड स्थित परशुराम धर्मशाला में हुआ। पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान

शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें जिलेभर के रक्त वीरों ने बढचढकर हिस्सा लिया, जिसके प्रति युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जिला ब्लड बैंक प्रभारी मुकेश शर्मा के अनुसार रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक थी जिसके कारण शिविर सुबह 9 बजे ही शुरू करना पड़ा ब्लड बैंक में रक्त संरक्षण की सीमित क्षमता के कारण 211 यूनिट रक्तदान के बाद शिविर बंद करना पड़ा, उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक में रक्त संरक्षण की क्षमता सीमित होने के चलते कई रक्तदाताओं को मायूस भी लौटना पड़ा है लेकिन जो लोग आज के शिविर में रक्तदान से वंचित रह गए हैं वे ब्लड बैंक में आकर कभी भी रक्तदान कर पुण्य लाभ ले सकते हैं। वहीं दोपहर 2 से 3 बजे तक चली श्रद्धांजलि सभा में जिले के गणमान्य लोगों के साथ साथ बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बनवारीलाल शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनके जीवन से जुड़े संस्मरण साझा किए। उनकी पुत्रवधू और भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि बनवारीलाल शर्मा ने हमेशा आदर्शों और सिद्धांतों की राजनीति की उन्होंने कभी भी सत्ता के लालच में आकर सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, वे जनता के सुख-दुख में हमेशा शामिल रहने वाले सर्वसुलभ नेता थे। वे जीवन की अंतिम सांस तक जनसेवा में जुटे रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजवीर राजावत,पूर्व विधायक अब्दुल सगीर खान, पूर्व विधायक मनोरमा सिंह, पूर्व जिला प्रमुख किशन चंद शर्मा, पूर्व मंत्री जगमोहन बघेल, भाजपा नेता विवेक बोहरा,डॉ शिवचरण कुशवाह,रीतेश शर्मा, लाखन सिंह खिड़ौरा, मोनू जादोन, दुर्गादत्त शास्त्री, सतेन्द्र पाराशर,केदार पोसवाल,जयवीर पोसवाल,मीथल शुक्ला,पी सी बोहरा,अनुराग मुद्गल,प्रिंस हुंडावाल, धनेश जैन,इसरार खान,दयाशंकर सक्सेना,सुरेश गोस्वामी,किरोड़ी लाल जाटव,सूरज जाटव, रमेश साहू, दीपू कुशवाह,खुशीलाल निषाद,बांके लाल लोधा,पृथ्वी सिंह मलिंगा,जंडेल सिंह एडवोकेट, श्री निवास शर्मा, राजा भैया,पूर्व पीएमओ जनार्दन सिंह सिकरवार,पवन चंसोरिया,पवन उपाध्याय,पंकज शर्मा जगन, सुमित शर्मा जगन,समर्थ शर्मा जगन,दुष्यंत शर्मा जगन,समेत अन्य परिवारीजन और हजारों की संख्या में सर्वसमाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रात्रि के समय हुई लूट का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

अभियुक्तों के कब्जे से लूटे हुए मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, रूपये व अन्य सामान को किया बरामद

जयपुर टाइम्स

भरतपुर(निसं.) महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर कैलाश चन्द बिश्नोई (आईपीएस) व धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान (आईपीएस) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ (बाड़ी) डॉ कमल कुमार एवं महेन्द्र मीणा वृत्ताधिकारी वृत्त बाड़ी के निकटतम पर्यवेक्षण में व सदर थानाधिकारी मोहर सिंह मीणा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत दिनांक 19 अक्टूबर 2025 की रात्रि को हुई लूट की बारदात का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से लूटे हुए एक मोबाइल फोन, ईयरफोन (ईयरवर्ड), एक स्मार्टवॉच व रूपयों को बरामद किया गया। घटना दिनांक 20 अक्टूबर 2025 को एक तहरीर रिपोर्ट मनोज कुमार पुत्र विजय सिंह जाति जाटव निवासी तोर दानियाल थाना सदर धौलपुर ने इस आशय पेश की कि प्रार्थी दिनांक 19 अक्टूबर 2025 को किशनगढ़ काम करने के लिये जा रहा था। रात्रि के समय वाहन नहीं मिलने के कारण प्रार्थी अपनी रिश्तेदारी में गांव आंगई जा रहा था। तो प्रार्थी बाड़ी बस स्टैंड पहुंचा। जहां पर किसी वाहन का इंतजार कर रहा था। कि तभी दो व्यक्ति एक मोटरसाइकिल पर आये और मुझे आंगई छोड़ने की कहकर अपने साथ मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गये तथा सुनीपुर से आगे सनौरा रोड़ पर ले गये और प्रार्थी से एक मोबाइल फोन, ईयरफोन (ईयरवर्ड), एक स्मार्टवॉच

व रूपयों को छुडाकर ले गये। इस पर मुकदमा धारा BNS में दर्ज किया गया। उक्त वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश हेतु आसूचना तंत्र मजबूत किये गये। पुलिस टीमों द्वारा भरपूर प्रयास व बड़ी मसक्कत के बाद आसूचना तंत्र के आधार पर दिनांक 23 अक्टूबर 2025 को उक्त लूट की वारदात का खुलासा करते हुए अभियुक्त रामसहाय पुत्र भोगीराम जाति गुर्जर उम्र 26 साल निवासी सांगौरी थाना बसेड़ी जिला धौलपुर व धुर्वेन्द्र पुत्र परमाल सिंह जाति गुर्जर उम्र 21 साल निवासी सांगौरी थाना बसेड़ी जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया गया है। उक्त अभियुक्तों से उक्त वारदात में लूटे एक मोबाइल फोन, ईयरफोन (ईयरवर्ड), एक स्मार्टवॉच व 1500 रूपयों को व वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है। जिनसे उक्त वारदात के सम्बंध में व अन्य वारदातों के सम्बन्ध में गहनता से पूछताछ जारी है।

धौलपुर डीएसटी टीम व निहालगंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

01 लाख रूपये का इनामी अपराधी धर्मेन्द्र उर्फ लुक्का गैंग का सक्रिय इनामी सदस्य तहसीला उर्फ तहसीलदार गिरफ्तार

कब्जे से अवैध 01 कट्टा व 02 जिंदा कारतूस बरामद, राजस्थान व मध्यप्रदेश से 40 हजार रूपये का इनाम था घोषित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.) पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर मनोज शर्मा आरपीएस एवं वृताधिकारी धौलपुर शहर मुनेश मीणा आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी थाना निहालगंज प्रमेन्द्र रावत पुलिस निरीक्षक एवं डीएसटी टीम प्रभारी प्रेमसिंह चौधरी सहायक उप निरीक्षक के नेतृत्व में थाना निहालगंज व डीएसटी टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध हथियार व कारतूस सहित राजस्थान व मध्यप्रदेश के कुल 40 हजार रूपये का इनामी अपराधी तहसीला उर्फ तहसीलदार को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। घटना दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को डीएसटी टीम के कांस्टेबल चरनसिंह को मुखबिर की सूचना मिली कि धर्मेन्द्र उर्फ लुक्का गैंग का सक्रिय सदस्य तहसीला उर्फ तहसीलदार ओंडेला रोड़ पर प्रकाश कॉलेज से आगे खाली प्लॉटों के पास खडा है। उक्त सूचना पर प्रेमसिंह चौधरी सहायक उप निरीक्षक मय डीएसटी टीम व अवधेश शर्मा हैड कांस्टेबल मय कांस्टेबल रोशन सिंह, चीपूसिंह थाना निहालगंज के रवाना होकर मौके पर पहुंचे। जहां से उक्त इनामी बदमाश धर्मेन्द्र उर्फ लुक्का गैंग का सक्रिय सदस्य तहसीला उर्फ तहसीलदार पुत्र सोनेराम जाति गुर्जर उम्र 30 साल निवासी देवकापुरा मौरोली थाना कोतवाली धौलपुर को गिरफ्तार किया गया। कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किये गये। मुल्जिम के विरूद्ध जिला धौलपुर एवं मध्यप्रदेश के थाना सरायछोला मुरैना, तिघरा ग्वालियर, सेसईपुरा श्योपुर पर लूट, अपहरण, हत्या का प्रयास, फिरौती व पुलिस मुठभेड़ के कई मामले दर्ज है। मुल्जिम की गिरफ्तारी पर धौलपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा 20 हजार रूपये व ग्वालियर पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार रूपये एवं मुरैना पुलिस अधीक्षक द्वारा 5 हजार रूपये तथा श्योपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5 हजार रूपये का इनाम घोषित है। उक्त मुल्जिम की गिरफ्तारी में डीएसटी टीम के कांस्टेबल चरनसिंह, गजेन्द्र सिंह, ललित किशोर चालक की विशेष भूमिका रही है।

ठाकुरजी के मंदिर में अन्नकूट और छप्पन भोग महोत्सव

महाआरती के बाद किया गया प्रसाद वितरण

जयपुर टाइम्स

कुचामनसिटी(निसं.)। शहर के धानमंडी स्थित 5 सौ साल से पुराना प्राचीनतम ठाकुरजी के मन्दिर में अन्नकूट और छप्पन भोग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में भगवान ठाकुरजी के छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। महाराज कन्हैया लाल शास्त्री ने ठाकुरजी के नवीन धान का भोग लगाते हुए विश्व कल्याण की कामना की। इस उपलक्ष्य में भजन-कीर्तन हुए, महाआरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया, पंडित कन्हैया लाल ने आरती की और प्रसाद वितरण किया गया। सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्यार्जनप किया. यह मंदिर राजा-रजवाड़ा के समय से शहर में श्रद्धा का केन्द्र है। पंडित ने बताया कि पृथ्वीलोक पर श्रीकृष्ण की आराधना को श्रेष्ठ माना गया है और उनके बाल स्वरूप की आराधना को सर्वश्रेष्ठ, द्वारकाधीश की पूजा से मनोकामना पूर्ण होती है, पंथ और संप्रदायों में

विभक्त सनातन संस्कृति में श्रीकृष्ण की भक्ति के अनेक तरीके प्रचलित हैं। सभी तरीके रास-रंग के साथ श्रीकृष्ण की उपासना को महत्व देते हैं, जिसमें झूले झुलाना, भगवान की मनुहार करना और उनकी सात्विक तरीके सेवा करना शामिल है, गोविंद की उपासना के विभिन्न तरीकों में एक अहम सेवा अन्नकूट मानी जाती है। इसी क्रम में शहर के सत्यनारायण मन्दिर ,चारभुजानाथ मन्दिर ,रघुनाथजी के मन्दिर ,मालपानीयो के मंदिर में हर वर्ष की भांति अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। ललित ने बताया कि मंदिर परिसर में स्थानीय कलाकारों की ओर से भजन-कीर्तन किया गया. भजन में अन्नकूट बनाए जाने वाले छप्पन भोग मिठाई का वर्णन पदों गायन के माध्यम से किया गया है।

1साल से घर में खड़ी कार का कटा टोलः रेनवाल मांजी टोल प्लाजा का मामला

मैनेजर ने कहा- राशि रिफंड की जाएगी

जयपुर टाईम्स

सांगानेर(निसं.)। कस्बे के डिग्गी रोड़ भीलवाड़ा मेगा हाईवे पर स्थित रेनवाल मांजी टोल प्लाजा से अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जब बस्सी के नारायण नगर निवासी नितेश कुमार शर्मा की कार उनके घर के गैरेज में खड़ी थी, लेकिन गुरुवार सुबह 11:40 बजे उनके मोबाइल पर फा स्टैग से 110 रुपए कटने का मैसेज आया।

पिछले 1 साल से टोल से नहीं गुजरी कार

मैसेज देखकर नितेश चौंक गए, क्योंकि उनकी कार पिछले 1 साल से इस टोल से गुजरी ही नहीं थी। उन्होंने तुरंत एनएचएआई के टोल-फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले पर रेनवाल मांजी टोल प्लाजा के मैनेजर पवन चौधरी ने बताया कि कई लोग अपनी गाड़ी का फा स्टैग हटाकर टोल पार करते समय गाड़ी नंबर से टैक्स काटने को कहते हैं। वे गाड़ी नंबर के बीच में नट या टेप लगा देते हैं, जिससे कैमरे में नंबर गलत पढ़े जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि टैक्स किसी और की गाड़ी से कट जाता है।

टोल मैनेजर ने कहा- राशि रिफंड की जाएगी

चौधरी ने यह भी बताया कि ऐसे कई मामले पहले भी आ चुके हैं। जो भी व्यक्ति इसकी सूचना देता है, उसे राशि वापस कर दी जाती है। टोल प्रबंधन ने अब ऐसी गाड़ियों पर नजर रखने के लिए एक विशेष अभियान भी शुरू किया है। रेनवाल मांजी टोल प्लाजा का यह मामला फिलहाल इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जयपुर में घर में अकेली महिला से दिनदहाड़े लूटः युवती सहित 3 बदमाशों ने बंदूक से डराया; नगदी और जेवरात लेकर फरार

जयपुर टाईम्स

सांगानेर(निसं.)। सांगानेर के मुहाना थाना इलाके में आज सुबह करीब 9:30 बजे एक घर में अकेली महिला से लूट की वारदात हुई। लगभग 10 बजे जब पति घर पहुंचे तो पत्नी गुड़िया कंवर ने रोते हुए उन्हें घटना की जानकारी दी। कॉलोनी के लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को लूट की सूचना दी। मुहाना थाना पुलिस और एसीपी मानसरोवर मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम पीड़ित महिला से घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। पीड़ित शंकर सिंह ने बताया कि वह मुहाना मंडी में व्यापार करते हैं। रोज की तरह वह व्यापार के लिए घर से निकले थे। सुबह जब करीब 10 बजे घर पहुंचे तो पत्नी रो रही थी। पत्नी ने बताया कि दो लड़के और एक लड़की जबरन घर में घुस आए और बंदूक दिखाकर उसे डरा दिया। शंकर सिंह ने बताया तीनों आरोपियों ने घर में रखी नगदी और जेवरात लूटे और मौके से फरार हो गए। बदमाशों

ने एक-एक करके समय लेकर घर से निकले, ताकि किसी को उन पर शक न हो। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर एफएसएल टीम को बुलाया है। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। पुलिस की कुछ टीमें संदिग्धों से इस संबंध में पूछताछ कर रही हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर सांभर पत्रकार संघ करेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक (निसं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सांभर पत्रकार संघ के तत्वाधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को कस्बे के फुलेरा रोड स्थित पत्रकार संघ कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने करते हुए बताया कि यह रक्तदान

शिविर रविवार, 2 नवंबर 2025 को आयोजित होगा। इस आयोजन में सांभर क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग रहेगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है और संघ के शताब्दी वर्ष जैसे पावन अवसर पर यह शिविर समाजसेवा की भावना को सशक्त करने का कार्य करेगा।इस मौके पर पत्रकार डब्लू गोस्वामी, सुनील कुमावत, मुकेश शर्मा,विनय शर्मा, कुनाल शर्मा, कालीचरण सैनी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय श्रीमद देवी भागवत कथा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(नि.सं.)। कस्बे के मंडी बाजार स्थित करणी माता मंदिर के पास टांटिया परिवार के आयोजित सात दिवसीय श्रीमद देवी भागवत कथा से पूर्व सीकर-नोखा रोड़ स्थित दुर्गा माता मंदिर से गाजे बाजे व मनमोहक झांकियों के साथ शोभायात्रा कस्बे के पुराना बस स्टैंड, सिद्धि विनायक गणेश मंदिर, बैरी चौक, मंडी बाजार होते हुए 501 कलशों के साथ कथा स्थल तक निकाली गई। जहां कस्बेवासियों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कथा में मुख्य यजमान बनवारीलाल, शिव कुमार, महेश कुमार टांटिया ने व्यासपीठ की पूजा अर्चना की। कथा का वाचन करते हुए नापासर के पंडित केदार प्रसाद जोशी ने विभिन्न प्रसंग सुनाए। यात्रा में राजेश सोनी, जेठाराम यादव, प्रकाश पंसारी, केशरीनन्दन सोनी, नन्दू सिंह राजपुरोहित, ओमप्रकाश भोभरिया, अमित, राजकुमार टांटिया, पवन कुमार शर्मा, प्रमोद जोशी, धनराज सेन, गोविंद, ललित सोनी, भीकाराम जाट आदि उपस्थित रहे।

रामकथा व सत्संग के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली

जयपुर टाइम्स

तारानगर(नि.सं.) तारानगर के वार्ड 02 में 9 दिवसीय श्री राम कथा व दुर्लभ सत्संग के अवसर पर कस्बे में बाबा रामदेव मंदिर से कथा स्थल तक कलश यात्रा निकाली गयी जिसमें भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने भी शिरकत की। जांगिड़ ने कहा कि यह पावन यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और संस्कारों के प्रसार का माध्यम भी है। प्रभु से प्रार्थना है कि यह आयोजन नगर के समस्त नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और मंगल का संचार करे। जांगिड ने इस दौरान आयोजक गौसेवा समिति एवं बाबुलाल जांगिड को इस आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मोके पर चेतराम जांगिड़, बाबुलाल जांगिड़, महेंद्र जांगिड़, विनोद जांगिड़, निराणाराम जांगिड़, जगदीश जांगिड़, गिरधारी, मुंशी, रूपाराम जांगिड़, हिरालाल सोनी, मोहनलाल सोनी, उषा यादव, राकेश टाक सहित अनेक मौजूद रहे।

ऋषिकुल स्कूल की पूर्व छात्रा आयुषी शर्मा का एम्स मदुरई में चयन

विद्यालय परिवार ने किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(नि.सं.)। ऋषिकुल स्कूल की पूर्व छात्रा आयुषी शर्मा ने नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित एम्स मदुरई में चयन प्राप्त किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रांगण में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संस्था की प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने आयुषी को माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में मोंटेसरी प्रभारी संजना शर्मा, छात्रा के अभिभावक, राजकीय स्कूल भूमा बड़ा वाइस प्रिंसिपल रजनी शर्मा, रविकांत शर्मा, तथा विद्यालय के विज्ञान संकाय से योगेश कुदाल, सपना यादव, रमेश कुमावत और अनीश सेन उपस्थित रहे। सभी ने आयुषी को भविष्य में और ऊँचाइयाँ हासिल करने का आशीर्वाद दिया।आयुषी शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंध समिति को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से ही यह उपलब्धि संभव हो पाई।संस्था अध्यक्ष विकास चूड़ीवाला और सचिव संगीता चूड़ीवाला ने आयुषी को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे मेधावी छात्र विद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं।अंत में डॉ. रेखा शर्मा ने घोषणा की कि आयुषी के इस गौरवशाली चयन पर आगामी वार्षिक उत्सव में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

गौरेया संरक्षण के लिए नरेंद्र ने चलाई मुहीम

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। गौरेया संरक्षण को लेकर वार्ड न. 17 निवासी नरेन्द्र पारीक ने मुहीम चलाई है। जिसमें वो घर घर चिड़िया के निःशुल्क घोंसले लगा रहे हैं। जिसमे उनका सहयोग उनकी धर्मपत्नी गायत्री देवी और दोनों बच्चे श्लोक अभिलाषा और भांजा वरुण पारीक सब मिलकर लगभग 350 गोरेये के घोंसले लगा चुके हैं। इस मुहीम को आगे भी चलाकर रखना है और इन घोंसले की कीमत निःशुल्क है। नरेंद्र पारीक ने बताया कि हमारा एम है कि हर घर में एक गौरेया की चहक हो।

विप्र फाउंडेशन का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

आर ए एस रंजन, गजानन्द सहित विप्र समाज की विशिष्ट प्रतिभाओं का किया सम्मान

समाज के उत्थान में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होता है- जे पी गौड़

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(नि.सं.)। विप्र फाउंडेशन का दीपावली स्नेह मिलन एव समाज के आरएस सहित विशिष्ठ प्रतिभाओं का सम्मान समारोह स्थानीय मोदी रोड स्थित गाड़िया टाऊन हाल में विप्र फाउंडेशन जिलाध्यक्ष कमल कांत शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए सीकर यूआईटी आयुक्त जे पी गौड़ ने कहा कि समाज उत्थान हेतु शिक्षा का विशेष महत्त्व है। समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देकर उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुँचाने में परिवार के साथ समाज के व्यक्तियों को भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। पूर्व अतिरिक्त आयुक्त वाणिज्य कर अधिकारी विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में परस्पर प्रतिस्पर्धा से समाज की प्रतिभाएं निखर कर सामने आती हैं। एक सही मार्गदर्शन प्रतिभाओं को अपने जीवन लक्ष्य तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है । वि फा जिलाध्यक्ष कमल कांत शर्मा ने कहा कि शैक्षणिक, सामाजिक,सांस्कृतिक एव राजनैतिक रूप से मजबूती ही समाज को अग्रणी व सशक्त बनाते है। वि. फा. संयोजक उमाशंकर महमिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों व प्रतिभाओं का परिचय देते हुए कहा कि समाज उत्थान में विद्यार्थियों व प्रतिभागियों का विशेष योगदान है जो देश की उन्नति में भी सहायक बनते है । इनके अलावा विप्र फाउंडेशन प्रदेश मंत्री विकास शर्मा डुमोली, वि फा जिला महामंत्री वशिष्ठ शर्मा, संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया, संरक्षक सुशील जोशी, सुभाष शर्मा चिड़ावा, उपाध्यक्ष पृथ्वीराज शर्मा, राकेश शर्मा बगड़ , रामचंद पटोदा ने भी सम्बोधित किया। धन्यवाद शिक्षाविद चंदू शर्मा हाँसलसर ने दिया जबकि मंच संचालन डॉ विद्या पुरोहित व शुभम शर्मा ने किया । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर मंगलाचरण के साथ किया गया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि पूर्व विधायक डॉ मूल सिंह शेखावत का अभिनंदन भी किया गया। इनके अलावा अतिथि के रूप में राजस्थान ब्राह्मण महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष अरविन्द पारीक, शिक्षाविद श्रीराम ढढ मंडावा, गौड़ ब्राह्मण महासभा कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप शर्मा , वि फा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आशा शर्मा, खांडल समाज के जिलाध्यक्ष विकास शर्मा लोटिया, दाधीच समाज जिलाध्यक्ष रामनिवास शर्मा, कैलाश चोटिया नवलगढ़, पूर्व चेयरमैन चिड़ावा सुभाष शर्मा मंच पर उपस्थित रहे । इस अवसर पर राजस्थान प्रसाशनिक सेवा आरएएस में प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त करने वाले नृसिगपुरा निवासी रंजन शर्मा, 2021-22 में आरएएस बने सूरजगढ़ निवासी गजानंद शर्मा जिन्होंने प्रदेश में 81 वी रैंक प्राप्त की व वर्तमान में जैसलमेर कॉलोनाइजेशन में अतिरिक्त कमिशनर पद पर नियुक्त है, हाल ही में निकाय सेवा में ई ओ नियुक्त हुए धींगड़िया के गौतम शर्मा, नारि सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए गणित विषय में अप्रत्याशित चमत्कार कर 9 बार राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित हुई कुमारी वंशिका शर्मा चिड़ावा, क्रिकेट महिला वर्ग 19 में नेशनल टीम में जगह बनाने व कप्तान बनने पर बगड़ निवासी कुमारी नित्या शर्मा व लेफ्टिनेंट नौसेना बनने पर केहरपुराखुर्द के कुनाल शर्मा को विप्र फाउंडेशन जिला झुंझुनूँ जोन 1 द्वारा साफा, माला, दुपट्टा, गोल्ड मेडल पहनाकर व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर समाज में सक्रियता निभाते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले वि फा कार्यकर्ताओ चिरंजीलाल चौमाल ,सांवरमल पारासर, अरुण कौशिक मलसीसर, सुभाष शर्मा चिड़ावा, शंकर लाल शर्मा डूडलोद,राकेश सहल, रमेश चौमाल, अमृत जोशी,आई ए विकास शर्मा, मनोज व्यास,चन्द्र प्रकाश शुक्ला, अमित पांडेय, झुंझुनू को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाज के सक्रिय कार्यकर्ता नवलदत्त शर्मा के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई । इस मौके पर नरोत्तम शर्मा, ओमप्रकाश पुजारी, दिनेश शर्मा मंड्रेला, ओमप्रकाश बोहारा पचेरी, शिक्षाविद जगदीश शर्मा पिलानी, मदन चौमाल, पवन शर्मा अलसीसर, डॉ राधारमन शर्मा, गोविंद शर्मा, संदीप शर्मा मंडावा, प्रमोद पचलांगिया , अरविंद चौबे, उमेश शर्मा मुकुंदगढ़, सुरेश नूँववाला , अन्नू महर्षि, ओमी पंडित डंडलोद, महावीर भेड़ा, अशोक शर्मा गुढ़ा, वैद्य श्यामसुन्दर शर्मा नृसिहपुरा, कुंजबिहारी बिबासर, राकेश शर्मा, रमाकांत शर्मा बगड़, नरेश शास्त्री सुल्ताना, डॉ शशि मरोलिया, वि फा जिलाध्यक्ष ममता शर्मा, डॉ भावना शर्मा, पूनम शर्मा, एडवोकेट अंजू शर्मा, सुमित्रा चौबे, एडवोकेट अनुपम शर्मा, शिक्षाविद विकास शर्मा, विनोद शर्मा, अनिल जोशी, हरिकिशन शुक्ला, विकास पुरोहित सहित बड़ी संख्या में विप्र जन उपस्थित रहे ।

जिला कार्यकारिणी की बैठक व दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(नि.सं.)। स्थानीय दुर्गा प्रसाद धानुका आदर्श विद्या मंदिर में राजस्थान शिक्षक संघ(राष्ट्रीय)की जिला कार्यकारिणी की बैठक पर्यवेक्षक श्यामसुंदर स्वामी के पाथेय व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार सैनी के मार्गदर्शन और जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी व सभाध्यक्ष विकास पारीक और सहमीडिया प्रभारी कन्हैयालाल सैनी ने बताया कि बैठक में जिला कार्यकारिणी व उपशाखा के नवनिर्वाचित सदस्यों का परिचय, संकुल सदस्यता अभियान की चर्चा, महिला सम्मेलन की कार्ययोजना बनाना, जिला व उपशाखा कार्यकारिणी में रिक्त पदों पर मनोनयन करने, आगामी 16 नवंबर को महिला सम्मेलन का उपशाखा वार आयोजित करने व प्रदेश सम्मेलन में सभी उप-शाखाओं से अधिकाधिक सदस्यों की सहभागिता, आगामी 24 दिसम्बर से 3 दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग का आयोजन की कार्ययोजना तैयार करना, उपशाखा वार शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा और समाधान करवाना सहित अनेक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पर्यवेक्षक श्यामसुंदर स्वामी ने चूरू जिले की समस्त उप-शाखाओं के प्रभारी नियुक्त कर उन्हें उन उप-शाखाओं में पालक दायित्व निभाते हुए प्रवास का आह्वान किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार सैनी ने सभी कार्यकर्ताओं से प्रदेश सम्मेलन में सहभागिता और 24 दिसम्बर से सालासर में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग के व्यवस्था संचालन पर जोर दिया। बैठक में संगठन जिला मंत्री मनोज गौड़, जिला संगठन मंत्री (महिला) अन्नम भारद्वाज, जिला कोषाध्यक्ष विनोद मीणा, जिला उपाध्यक्ष मनोज जोशी, संगठन वरिष्ठ कार्यकर्ता जगदीश जोशी, मनोज सारस्वत, राजेश कौशिक, जयप्रकाश शर्मा, राजेन्द्रकुमार, नरेंद्र भाटी, गंगाराम सुथार, अब्दुल सत्तार, जयप्रकाश शर्मा, कमल जाखड़, मनोज शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, ऋषिकुमार सिंह, पंकज पीपलवा, चिमन शर्मा, लक्ष्मण दान चारण, बनवारी लाल जांगिड़, जगनाराम सोढा, डॉ ओमप्रकाश महर्षि, सत्यनारायण टेलर, जयप्रकाश नारायण, पुरुषोत्तम पारीक सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे। रतनगढ़ उपशाखा अध्यक्ष निलेश इन्दौरिया ने आगंतुकों का आभार प्रकट किया। बैठक का संचालन प्रभुदयाल सैनी ने किया।

रतनगढ़ के नौसरिया गांव में नौसरिया प्रीमियर लीग का उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(नि.सं.) के नौसरिया गांव में नौसरिया प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया गया। इस लीग में स्थानीय खेल प्रतिभाओं को मंच मिला है। टूर्नामेंट का पहला मैच सांवरिया सेठ और राफेल फाइटर के बीच खेला गया, जिसमें सांवरिया सेठ की टीम विजयी रही।टूर्नामेंट का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के नेता पवन सिंह राठौड़, कल्याण सिंह शेखावत और सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह राठौड़ ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्गाराम राजपुरोहित ने की।मुख्य उद्घाटनकर्ता पवन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्रिकेट आधुनिक युग में युवाओं की पहली पसंद है और यह टीमवर्क का एक जीता-जागता उदाहरण है। कल्याण सिंह शेखावत ने खिलाड़ियों को खेल को खेल की भावना से खेलने और हार-जीत से सबक लेने की प्रेरणा दी।पहले मैच में सांवरिया सेठ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राफेल फाइटर को 88 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में राफेल फाइटर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 82 रन बनाकर ऑल आउट हो गई, जिससे सांवरिया सेठ ने मैच जीत लिया।इस अवसर पर बीरबल सिंह पूनिया, भगवाना राम नाई, मुखराम, खेमराज, किशन खियालिया, भीवाराम भामू, भीवाराम हुड्डा, श्रवण कुमार राजपुरोहित, लाल चंद राजपुरोहित, ताराचंद शर्मा सहित गांव के कई गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। मंच संचालन विक्रम सिंह नौसरिया ने किया।

गांवो से होकर बस सेवा शुरू होने पर ग्रामीणों में खुशी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। सुजानगढ़ से सरदारशहर ग्रामीण रूट बस सेवा शुरू होने पर ग्रामीणों की ओर से गांव आबसर में चालक और कंडक्टर का स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र किलक के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बस चालक राजकुमार भामू, कंडक्टर मुकेश सिद्ध का माला पहनाकर और साफे पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र किलक ने कहा कि ग्रामीण जनता के लिए यह अच्छी सुविधा है, जिसके लिए ग्रामीण जनता सरकार की आभारी है। इस अवसर पर पर सीताराम स्वामी, केशुदास स्वामी, सागरमल पारीक, आदूराम किलका, भंवरदास पुजारी, लक्ष्मणराम नाई, बबलू सिंह, पंकज स्वामी, सरपंच गिरधारीलाल कांटीवाल, अशोक कुमार, मंडल अध्यक्ष चितरंजन, कैलाश सारण, चांद रतन सैनी, राजेंद्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

23 ग्रामीणों को शिविर में किया पट्टा वितरण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। निकटवर्ती गांव शोभासर में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा के सानिध्य में आयोजित शिविर में पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, विकास अधिकारी रवि कुमार, प्रहलाद जाखड़, जिला परिषद सदस्य नौरंग सिलू, श्रीलाल मेघवाल आदि ने शिरकत की। सरपंच बशीरा बानो, इमरान, ग्राम विकास अधिकारी गोविन्द सहारण, मो. निजाम, सहायक विकास अधिकारी घनश्याम भाटी, पटवारी अजय आदि ने ग्रामीणों का सहयोग किया। शिविर में 23 लोगों को पट्टा वितरण किया गया। इसी प्रकर जन्म प्रमाण पत्र 11, मृत्यु प्रमाण पत्र 3, जॉब कार्ड 5, इंतकाल 24 चढ़ाए गए। शुद्धिकरण 16 किए गए, विभाजन 1, 28 लंबित नोटिस तामील किए गए, एसबीएम के तहत 40 कचरा पात्र लगाए गए। शिविर का ग्रामीणों ने लाभ उठाया।

तेजाजी बोर्ड के संचालन की मांग को लेकर नारेबाजीः झुंझुनूं में राष्ट्रीय जाट महासंघ के नेतृत्व में प्रदर्शन

बोले- सरकार बजट आवंटन करें

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं (निसं.) तेजाजी बोर्ड के संचालन की मांग को लेकर झुंझुनूं में प्रदर्शन राजस्थान सरकार द्वारा जाट समाज के उत्थान के लिए गठित 'तेजाजी बोर्ड' की क्रियान्विति अभी तक नहीं होने पर राष्ट्रीय जाट महासंघ ने नाराजगी जाहिर की हैं। झुंझुनूं शहर में पुराने बस स्टैंड के पास शुक्रवार को राष्ट्रीय जाट महासंघ के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। इसमें समाज के लोगों ने सरकार से अविलंब बोर्ड का सुचारू संचालन शुरू करने और विशेष बजट आवंटित करने की मांग की। राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला सचिव उम्मेद झाझड़िया के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में जाट समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया कि सरकार की घोषणाएं तब तक अर्थहीन हैं, जब तक उन्हें जमीन पर नहीं उतारा जाता। 2023 में की थी घोषणा राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला सचिव झाझड़िया ने बताया कि राजस्थान सरकार ने वर्ष 2023 में जाट समाज के उत्थान एवं कल्याण के लिए तेजाजी बोर्ड का गठन करने की घोषणा की थी। यह घोषणा समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम थी, लेकिन खेद का विषय है कि गठन के इतने समय बाद भी तेजाजी बोर्ड का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड के निष्क्रिय पड़े रहने के कारण पूरे जाट समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। समाज महसूस कर रहा है कि सरकार की यह पहल केवल कागजी साबित हो रही है। सरकार से जल्द बजट आवंटन की मांग प्रदर्शन के दौरान जाट समाज के प्रमुख सदस्यों में जयसिंह मांजू, रामस्वरूप बिजारणियां और रामनिवास मांजू शामिल थे। सभी ने सामूहिक रूप से सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। उन्होंने पुरजोर मांग की कि राजस्थान सरकार तेजाजी बोर्ड का सुचारू रूप से संचालन तुरंत शुरू करें। उनकी प्रमुख मांग थी कि बोर्ड को कार्यशील बनाने के लिए सरकार स्पेशल बजट आवंटित करें। पर्याप्त वित्तीय संसाधनों के बिना, बोर्ड विधिवत रूप से काम नहीं कर पाएगा। इस अवसर पर रामस्वरूप झाझडिया, अशोक खेदड़, सोरभ भेड़ा, हरिसिंह, संदीप तेतरवाल, भेरोसिंह, सतिश कुमार, अमित बांगड़वा, सुनिल मालसर, राजेन्द्र, योगेश भेड़ा, सांवरमल, श्रीराम एवं महावीर भेड़ा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे।

शतरंज और धैर्य : ध्यान और अनुशासन निर्माण : एसड़ीएम मुनेश कुमारी

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(नि.सं.) । मण्डावा एसड़ीएम मुनेश कुमारी ने कहा है की शतरंज केवल एक खेल नहीं है ; यह रणनीति , एकाग्रता और अनुशासन का गहन अभ्यास है , जो इसे इन आवश्यक कौशलों को विकसित करने के इच्छुक किसी भी खिलाड़ी के लिए एक आदर्श गतिविधि बनाता है । वे शुक्रवार को मण्डावा चेस क्लब की ओर से आयोजित 5 वां राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थी । उन्होंने कहा की रणनीतियों का यह जटिल खेल खिलाडियों को धीमा होने, गंभीरता से सोचने और कई कदम आगे की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है , जिससे एक ऐसा माहौल बनता है यहां धैर्य सर्वोपरि हो जाता है । धैर्य शतरंज का अभिन्न अंग है , जो अक्सर खेल का परिणाम निर्धारित करता है । इस खेल में धीमें और अधिक सोच - समझकर कदम उठाने की आवश्यकता होती है । क्योंकि जल्दबाजी में लिए गए निर्णय गंभीर नुकसान का कारण बन सकते है । सावधानीपूर्वक विचार - विमर्श की यह आवश्यकता न केवल शतरंज में , बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी धैर्य की मानसिकता को प्रोत्साहित करती है । कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डावा नपा चेयरमैन नरेश सोनी ने की । कार्यक्रम में पर्यटन विशेषज्ञ मधुसुदन खेमाणी,मोनिका गोयनका, नरेन्द्र चौपदार,बलदेवराम थलिया, दिनेश देवड़ा, रामस्वरूप देवड़ा, शिक्षाविद्ध भोलासिंह,भाजपा नेता संदीप शर्मा आदि मंचासीन अतिथि थे । मण्डावा चेस क्लब के चीफ केशरदेव टेलर, जेपी गोयनका, आरके सिंघानिया व बाबूलाल कुमावत आदि ने आगन्तुक मेहमानों का स्वागत किया तथा मंच का संचालन ललित सोनी ने किया । शतरंज प्रतियोगिता का यह रहा परिणाम ओपन कैटेगरी में सीकर के ओजस जोशी प्रथम , चरखी दादरी के हिमांशु रहलान द्वितीय तथा झुंझुनूं के विकास गजराज तीतृय स्थान पर रहे । दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में राज्य भर के एक सौ सत्तर खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया । अन्त में अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानीत किया ।

अन्यत्र अभिवाक के सिद्धान्त पर चैक अनादरण का आरोपी बरी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अन्यत्र अभिवाक के सिद्धांन्त पर न्यायालय ने चैक अनादरण के एक आरोपी को बरी कर दिया है। यह मामला सन् 2012 से एसीजेएम न्यायालय में विचाराधीन था, जिस पर न्यायाधीश विकास गजराज ने फैसला देकर आरोपी अनवर काजी निवासी गांव तिड़ोकी छोटी को दोषमुक्त कर दिया। अन्यत्र अभिवाक यानि प्लीए ऑफ एलिबी का मतलब होता है, जिस पर आरोप है, उस वक्त उसका घटना स्थल पर मौजूद होना संभव नहीं होता। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि घटनास्थल से दूरी इतनी ज्यादा होती है, कि उसका जिक्र किए गए स्थान पर अपराध कारित करना असंभव हो। एडवोकेट मोहम्मद दयान ने बताया कि इस प्रकरण में विवेक करवा नामक व्यक्ति ने अनवर काजी पर 30 हजार के चैक अनादरण का आरोप लगाया था। जिस पर आरोपी ने अपनी प्रतिरक्षा न्यायालय में करते हुए यह प्रमाणित किया कि जिस वक्त का चैक जारी करना बताया गया है, उस वक्त वह सउदी अरब में था, ऐसे में वह सुजानगढ़ में रहकर कैसे चैक जारी कर सकता है। मामले में न्यायालय ने आरोपी के पक्ष को मजबूत मानते हुए उसे दोषमुक्त कर दिया। आरोपी की ओर से मामले में एडवोकेट मोहम्मद दयान, एडवोकेट विकास भार्गव, एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने पैरवी की।

स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय कोतवाली पुलिस ने स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। कोतवाली सीआई बैगाराम मीणा ने बताया कि आरोपी मलकीतसिंह पुत्र सुरजीतसिंह, निवासी सुरेवाला, जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को केकड़ी से गिरफ्तार किया गया है।

भारत विकास परिषद का दायित्व ग्रहण समारोह आज

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.)। भारत विकास परिषद की ओर से दायित्व ग्रहण समारोह एवं दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन आज शनिवार, 25 अक्टूबर को डिडवानिया भवन में किया जा रहा है। परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश मूंदड़ा ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5 बजे प्रारंभ होगा, जिसमें प्रांत एवं जिले के पदाधिकारी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएंगे। समारोह में नवगठित परिषद पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर उन्हें आधिकारिक रूप से दायित्व ग्रहण करवाया जाएगा। कार्यक्रम में लक्ष्मणगढ़ शहर के गणमान्यजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं परिषद सदस्य भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और परिषद के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

गोपाष्टमी पर्व 30 को, गौ पूजन और गौसेवा के साथ ,मानव सेवा के लिये आयोजित होगा रक्तदान शिविर

कार्यकर्ताओं को सौपी जिम्मेदारी

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निसं.)। मुकुंदगढ़ रोड स्थित टीकम दास आश्रम में संचालित कामधेनु निराश्रित गौ सेवा समिति में गोपाष्टमी पर्व का आयोजन 30 अक्टूबर को किया जाएगा। इस पर्व को लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारी को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया । समिति के अध्यक्ष रविंद्र शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः 8:15 पर गौ व नंदी पूजन शेखावाटी के महान संतों व गणमान्यजन के कर कमलो द्वारा संपन्न होगा । गौ सेवा के साथ ही मानव सेवा के लिए छठे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा ।इस शिविर में मित्तल ब्लू बैंक सीकर में बी ड़ी के अस्पताल झुंझुनू की टीम द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की जाएगी इसके साथ ही अन्य कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन इस अवसर पर समिति के कार्यकर्ताओं को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस गोष्ठी में समिति के उपाध्यक्ष किशोर चौहान, कोषाध्यक्ष राकेश स्वामी ,सचिव मधुसूदन स्वामी ,प्रकाश स्वामी सुभाष टेलर , सज्जन लाल शर्मा दिनवा वाले,अनूप शर्मा, जितेंद्र सिंह सोलंकी ,अरुण सोलंकी, हैप्पी सैनी, मनीष शर्मा, रजत सुरोलिया, मोहित सुरोलिया, सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीण सेवा शिविरों में विभिन्न योजनाओं का जनता को मिल रहा है लाभ-सहारण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) ग्राम पंचायत बूंटिया और कड़वासर में शुक्रवार को ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि भाजपा सरकार ने गांव-गांव और शहर में जन सेवा का संकल्प लेकर आमजन की सेवा कर रहे हैं। इसमें गरीब परिवारों को निशुल्क पट्टे, राजस्व विभाग के खाता विभाजन, विधुत सम्बंधित समस्या, पशुओं की बीमा योजना, निःशुल्क चिकित्सा परामर्श सहित अन्य कार्यों का तत्काल प्रभाव से निस्तारण किया गया। इस अवसर पर प्रधान दीपचंद राहड़, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विजय कस्वां ने भी शिविर में उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। शिविर में ग्राम पंचायत बूटियां के सरंपच बंशीधर मेघवाल, चेतराम सहारण, कड़वासर सरपंच सुरेन्द्र प्रजापत, पंचायत समिति सदस्य परमेश्वर लाल शर्मा, लालचंद फौजी, विजेंद्र कस्वां, पूर्व सरपंच रामेश्वर कस्वां, मोहरसिंह सरावग, मोहरसिंह कस्वां, भादर सिंह कस्वां, प्रभुराम धानक, जयचंद नायक सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

फांसी के फंदे पर लटका मिला युवक, इलाके में फैली सनसनी

लक्ष्मणगढ़(निस.)। शहर में बीती रात एक होटल कर्मचारी के फांसी लगाकर आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले की सूचना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।जानकारी के अनुसार, लक्ष्मणगढ़ के मोदी रोड स्थित गणपति होटल में कार्यरत एक युवक का शव रिसोर्ट की बालकनी में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही अल सुबह लक्ष्मणगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जिला अस्पताल भिजवाया गया।पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी अनूप पुत्र लटूरी लाल (उम्र 22 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक युवक गणपति होटल में काम करता था।

लोगों ने विरोध कर नहीं हटाने दिया बरसों पुराना कब्जा

नगरपालिका छापर की टीम लौटी बैरंग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। निकटवर्ती कस्बे छापर के वार्ड 4 में दशकों पहले बने एक निजी मकान पर शुक्रवार को पालिका प्रशासन ने कथित अतिक्रमण हटाने के कोई पूर्व आदेश के बिना ही जेसीबी चला दी। प्रशासनिक लवाजमे की मौजूदगी में पालिका प्रशासन द्वारा की गई अतिक्रमण हटाने की इस कार्यवाही से की खबर लोगों को मिली, तो लोगों की भीड़ मौके पर एकत्रित हो गई। मकान में रहने वाले लोगों ने पालिकाध्यक्ष व ईओ पर हठधर्मिता बरतने व एक भवन विशेष के लिए नाजायज रूप से रास्ता बनवाने के लिए नियम विरूद्ध यह कार्यवाही करने का कुप्रयास करने के आरोप लगाए हैं। कासम ढाढ़ी ने बताया कि पटवार घर के पास उसके दादा के नाम से पुश्तेनी मकान है, जिसमे उसके पिता भंवरू खां व अन्य परिजन बरसों से रह रहे हैं। पालिका प्रशासन ने उसके मकान की जगह को आम रास्ता बताते हुए मार्च माह में नोटिस दिया, जिसका समय पर उन्होने तर्क संगत जबाब दिया। वर्तमान में संबंधित प्रकरण हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसके बावजूद 10 साल पूर्व के एक फैसले को आधार मानते हुए उसके घर पर शुक्रवार को तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक, पालिका ईओ भवानीशंकर व्यास, छापर सीआई मोटाराम मेघवाल कार्यवाही करने पहुंच गए और पीड़ित के घर पर जेसीबी चला दी। लोगों ने प्रशासन पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इस दौरान पालिका के नेता प्रतिपक्ष रामकरण जाट, पार्षद प्रतिनिधि चंदन खां चोपदार, वीरेन खान, महेंद्र खटीक, शुभकरण कलाल, ओमप्रकाश ढाका, बिमल बिजारणिया आदि ने कार्यवाही को नियम विरुद्ध बताते हुए अतिक्रमण हटाने के आदेश की प्रति मांगी, जिस पर नगरपालिका प्रशासन कोई तार्किक जबाब नहीं दे पाया। पालिका द्वारा बिना कोई पूर्व सूचना व नोटिस के कार्यवाही करने पर मोहल्लेवासी आक्रोशित हो गए और प्रशासन का विरोध किया। सुजानगढ़ तहसीलदार गिरधारीलाल ने मोहल्लेवासियों से वार्ता की तथा यह कहकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को रुकवा दिया कि पीड़ित पक्ष 20 दिन में जरूरी साक्ष्य पेश करे अन्यथा मियाद तिथि गुजरने के बाद अतिक्रमण हटाने का काम किया जायेगा। आखिरकार केवल बाहर की दीवार गिराकर पालिका प्रशासन को लोगों के विरोध के चलते बैरंग ही लौटना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि विवादित जमीन पर बरसों से घर बसा हुआ है। साथ ही यह प्रकरण उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में बिना कोई ठोस प्रमाण व सूचना के आवासीय भूखंड को अतिक्रमण करार देना पालिकाध्यक्ष की हठधर्मिता को दर्शाता है। इस दौरान सैंकड़ो की संख्या में मौजूद लोगों ने नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

सहारण बने कुंभाराम आर्य किसान फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) कुंभाराम आर्य किसान फाउंडेशन की जिला कार्यकारिणी का चुनाव शुक्रवार को प्रधान दीपचंद राहड़ की अध्यक्षता में हुआ। कुम्भाराम आर्य किसान फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष व चूरू जिला संयोजक दलीप सरावग ने बताया कि फाउंडेशन प्रदेशभर में कुम्भाराम आर्य की विचारधारा वर्ग चेतना व किसानों के मुद्दों के लिए सक्रिय कार्य कर रहा है। फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव गोविन्द चौधरी के निर्देशानुसार चूरू जिला कार्यकारिणी का चुनाव किया गया है। बैठक में चर्चा करने के बाद फाउंडेशन के संरक्षक हनुमान कोठारी को जानकारी दी गई और उनकी सहमति से ओमप्रकाश रणवां ने चेतराम सहारण को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा, जिसे उप प्रमुख महेन्द्र न्योल, चंदगीराम दूत, शिशुपाल बुडानिया, राजू सहारण, अमीलाल धेतरवाल, राकेश बेनीवाल, जगदीश सहारण, राकेश थालौड़ सहित उपस्थित सदस्यों ने सर्व सम्मति से पारित किया। सरावग ने बताया कि सभी की सहमति से एडवोकेट चेतराम सहारण को कुंभाराम आर्य किसान फाउंडेशन का चूरू जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि चूरू तहसील के जोड़ी पट्टा सात्यूं के साधारण किसान मामचंद सहारण के घर जन्मे चेतराम विद्यार्थी काल से ही शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाते रहे हैं और लोहिया कालेज के छात्रसंघ उपाध्यक्ष रहे हैं। पेशे से एडवोकेट चेतराम युवा अवस्था में जोड़ी ग्राम पंचायत के सरपंच भी रहे। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चेतराम सहारण ने कुम्भाराम आर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यभार ग्रहण करते हुए बताया कि 26 अक्टूबर को किसान मसीहा कुंभाराम आर्य की पुण्यतिथि पर प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सर्व समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अध्यक्ष सहारण ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहयोग, सद्भाव और समन्वय बनाकर कुम्भाराम आर्य किसान फाउंडेशन की टीम बनाई जाएगी, जो किसान और समाज हित में कार्य करेगी। कार्यक्रम में बलबीर नैण, नवनीत कालेर, खेमचंद स्वामी, पवन मेघवाल, बलबीर धीनवाल, लोकेश फगेडिया, जयप्रकाश प्रजापत, गौरव शर्मा, राजू डूडी, राकेश वर्मा, प्रमोद प्रजापत, महेन्द्र कस्वां सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सरदारशहर से सुजानगढ़ के लिए ग्रामीण बस सेवा का हुआ शुभारंभ, ग्रामीण इलाकों को मिलेगा बस सेवा का लाभ

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन के सरदारशहर आगार ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत सरदारशहर से सुजानगढ़ के लिए शुक्रवार को रोडवेज बस का शुभारंभ किया है। इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक विक्रमसिंह सोलंकी ने बताया कि यह बस प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे रवाना होगी और वाया पाबुसर, हामुसर, जैतासर, छापर, खालिया होते हुए सुजानगढ पहुंचेगी। बस को पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। शीघ्र ही दो से तीन और नए रूट शुरू किए जाएंगे। जिससे सरदारशहर क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामीण क्षेत्रों को बस सेवा का लाभ मिल सकेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक विक्रमसिंह सोलंकी, पार्षद रूपचंद सोनी, राकेश टाक, दीपक बैद, प्रभु भोजक, महेश वर्मा, यूनियन अध्यक्ष बलवान पूनियां, रतनसिंह, प्रशांत स्वामी सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

आरएएस में चयनित भवानीशंकर सुथार का किया अभिनन्दन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(कासं.)। शहर में गजरूप ग्लोबल क्रिएशन व शिव मार्केट के व्यापारियों की ओर से ताल मैदान स्थित विश्वकर्मा मंदिर में शुक्रवार को अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें आरएएस में चयनित भोजूसर उपाधियान के भवानीशंकर सुथार का अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर डालचन्द सुथार, महावीरप्रसाद सुथार, सीताराम, लालचन्द, डूंगरमल बरड़वा, हनुमानमल भानूदा, सरपंच कन्हैयालाल का भी अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर मुकेश सुथार, शिव मार्केट के अध्यक्ष रवि नाथोलिया, राजेश शर्मा, पार्षद रामवतार जांगिड़, नौरतनमल भोजक, नौरतन किडू सुथार, पवन व्यास, जुगलकिशोर पारीक, रेखाराम हरितवाल, रतनलाल मोयल, मनीष मोयल, शाशिकान्त मोयल, विश्वकर्मा मंदिर सेवा समिति के सुरेन्द्र धामू, जेठाराम सुथार, भगवानाराम, शांतिप्रकाश सुथार, विनोद कुमार, मनोज दर्जी, महेश पारीक, हीरालाल सुथार, बजरंगलाल सुथार, माणकचन्द सुथार, रामस्वरूप आदि ने आरएएस में चयनित भवानीशंकर सुथार का माल्यार्पण, साफा, शॉल ओढाकर व अभिनन्दन पत्र प्रदान कर अभिनन्दन किया। संचालन भंवरलाल सुथार ने किया।

म्हारा राजस्थान, मेरा दिल तुझपे कुर्बान....

कन्हैया मित्तल के भजनों पर झूमा सुजानगढ़, देर रात तक बही भजनों की रस गंगा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय स्टेशन रोड स्थित कुबेर गार्डन में सुजानगढ़ नागरिक परिषद कोलकाता के हीरक जयंती वर्ष के अवसर पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। भामाशाह संदीप भुतोडिया, मंजरी, कुसुम भूतोडिया की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अंकित, खुशबू, आदव्या भी मौजूद रहे। भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ने देर रात तक देशभक्ति, सालासर बालाजी, खादू श्याम के भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी, जिन पर श्रोता झूम उठे। वहीं राजस्थान की शान और वीर रस के भजनों से श्रोताओं में कन्हैया मित्तल ने जोश भरा। उन्होंने -महाराज राजस्थान, मेरा दिल तुझपे कुर्बान.., मेरी झौंपडी के भाग आज खुल जायेंगे.. सहित अनेक भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। मीडिया प्रभारी कमल किशोर तापड़िया ने बताया कि महिला जागृति समिति के सहयोग से ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में देर रात तक श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुजानगढ़ नागरिक परिषद कोलकाता के सचिव आदित्य कोठारी, जगदीश जालान, दिनेश तंवर, सुनील जैन, मीडिया प्रभारी कमल तापड़िया, खड़ग सिंह बांठिया, रवि मूंधड़ा, अमर सिंह भूतोडिया, ब्रह्मप्रकाश शर्मा, श्याम सुंदर करवा, सुशील कोठारी, राजकुमार शर्मा आदि मौजूद रहे। संचालन घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया। इस अवसर पर महिला जागृति समिति की अध्यक्ष सुषमा मूंधड़ा, कुसुम भूतोडिया, सज्जन बोकड़िया, राजकुमारी भूतोड़िया, कुसुम लोढ़ा, सुनीता तापड़िया, कुशल, विजया रामपुरिया, सुमन चोरड़िया, बबीता मालपानी, सुधा मालानी ने मैनेजमेंट में सक्रिय योगदान दिया। दूसरी ओर कार्यक्रम में विधायक मनोज मेघवाल, सभापति निलोफर गौरी, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, रियाजत खां, मोहम्मद इदरीश गौरी, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच, भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। दूसरी ओर कार्यक्रम के दौरान भजन गायक का मंच से स्वागत किया गया। मंच पर भजन संध्या के दौरान सालासर दरबार और खाटूधाम की झांकी भी सजाई गई। कार्यक्रम के दौरान पांडाल छोटा नजर आया और श्रोता ज्यादा।

अन्नकूट प्रसाद व 56 भोग का आयोजन हुआ ! महंत श्री अरूण गौड़

नवलगढ़(निसं.) नवलगढ़ में नानसा गेट स्थित श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर (नृसिंह भैरव धाम नवलगढ़) महंत अरूण गौड़ के सानिध्य से दिपावली पर्व के उपलक्ष्य में अन्नकूट प्रसाद व 56 भोग प्रसाद का भोग भूदेका परिवार द्वारा लगाया गया व सपरिवार कार्यक्रम में शामिल भी हुए। महंत ने पूरे परिवार का आभार व्यक्त किया। जिसमें नवलगढ़ के सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। इसमें गौरव छकाडा, अभिषेक जांगिड़,रवि सैनी, आशुतोष शर्मा, दलिप ,पीयूष बगड़िया,रवि शंकर शर्मा, मुकेश रूपदासका, विशाल सिंह सोलंकी,सुजल शर्मा ,दीपक सोनी, राजेश बाटू,प्रदीप कुमावत,दक्ष शर्मा,साक्षी शर्मा, राजलक्ष्मी राय , रेखा राय , बबीता वर्मा,सरोज शर्मा,शशि भूदेका,सुनीता भूदेका,जया भूदेका, वैशाली भूदेका, शंकर जड़ियां , मुकेश शर्मा,नीरज सांगानेरिया , आदि लोग मौजूद रहे।

संत सान्निध्य में 26 अक्टूबर को होगा "अपना घर आश्रम" का शुभारंभ

रतनगढ़(निसं.) असहाय की सेवार्थ स्थापित पावन प्रकल्प " अपना घर आश्रम " का शुभारंभ प्रणवाश्रम के महंत संत निवृत्तिनाथ कृष्णा जी महाराज के सान्निध्य में 26 अक्टूबर रविवार सुबह होगा ।

अपना घर आश्रम ट्रस्ट के सचिव कुलदीप व्यास ने बताया कि मुख्य ट्रस्टी डॉ विजय प्रकाश गोयल ने दीन दुखियों की सेवा का सपना देखकर जिस परोपकारी भवन की नींव रखी , वह भव्य भवन अब असहाय , पीड़ित , बीमारजनों की सेवार्थ पूर्णतः तैयार है और इसका लोकार्पण अपना घर संस्था , भरतपुर के राष्ट्रीय सचिव विनोद कुमार सिंघल की अध्यक्षता में रविवार को संत निवृत्तिनाथ जी द्वारा किया जाएगा । ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष नरेंद्र झंवर ने जानकारी दी कि इस अवसर पर भामाशाह एवं ट्रस्टी जोधराज बैद , शुभकरण बैद , देवेंद्र यादव और पवन सेवदा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे । नवीन अपना घर आश्रम के राष्ट्रीय समन्वयक शैलेन्द्र त्यागी आमंत्रित वार्ताकार के रूप में उपस्थित रहेंगे ।

नाम परिवर्तन सूचना

मैंने मेरा नाम (खेम चंद KHEM CHAND) से बदलकर खेम चंद सैनी (KHEM CHAND SAINI) रख लिया है। भविष्य सभी उदेश्य के लिये मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

खेम चंद सैनी (KHEM CHAND SAINI) पुत्र श्री लिछमण राम जाति माली निवासी आदर्श नगर, वार्ड संख्या-37, चूरू तहसील व जिला चूरू (राज.)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मो सोहैल से बदलकर मो सोहैल राइन रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे मो सोहैल राइन के नाम से ही जाना, पुकारा व पहचाना जावे। मो सोहैल राइन पुत्र मोहम्मद युनुश , वार्ड नं 36 भेरूजी के खेजडे के पास दुलिया बास सुजानगढ, (चूरू) राज. 331507

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 3888-3882 दिनांक :- 14/10/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्याः 42 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर. पी डब्ल्यू. ए 100 की शर्त लागू होगी निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http//dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http//eproc.rajasthan.gov.inThttp//www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http//sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. PWD252643850

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2526WSOB14661	2	PWD2526WSOB14662
3	PWD2526WSOB14664	4	PWD2526WSOB14665
5	PWD2526WSOB14666	6	PWD2526WSOB14668
7	PWD2526WSOB14669	8	PWD2526WSOB14672
9	PWD2526WSOB14673	10	PWD2526WSOB14674
11	PWD2526WSOB14675		

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

मुझे गिफ्ट दे उसके पैसों में गरीब कन्या का अकाउंट खुलवाए तो मुझ पर मेहरबानी होगीः सतीश पूनिया

अपने लाडले नेता का जन्मदिन मनाने सैकड़ो किलोमीटर का रास्ता तय करके हजारों समर्थक गिरिराज जी पहुंचे और यहां शानदार समारोह का आयोजन करके अपने नेता के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किया इस मौके पर सतीश पूनिया ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ गिरिराज जी की परिक्रमा दी और गिरिराज जी के मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश के लोगों के खुशहाल जीवन की कामना की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) हरियाणा भाजपा के प्रभारी और प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया ने परिवार के सदस्यों के साथ शुक्रवार को अपने जन्मदिन पर गिरिराज जी की परिक्रमा लगाई और गिरिराज जी के मंदिर में पूजा अर्चना करके प्रदेश के लोगों के खुशहाल जीवन की प्रार्थना की इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सादगी पूर्वक एक बड़े समारोह का आयोजन किया ।जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई कार्यक्रम में उमड़ी बड़ी भीड़ यह इंगित कर रही थी कि भले ही सतीश पूनिया विधानसभा चुनाव हार गए हो, लेकिन पार्टी जनों में उनकी लोकप्रियता पहले की तुलना में चार गुना ज्यादा बढ़ गई है इसीलिए सैकड़ो किलोमीटर का सफर तय करके प्रदेश के कोने कोने से भारतीय जनता पार्टी के छोटे बड़े सभी नेता गिरिराज जी के यहां पहुंचे और अपने प्रिय नेता को जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में सतीश पूनिया ने अपने शुभचिंतकों से कहा कि अक्सर किसी का भी जन्मदिन हो हम छोटा-मोटा गिफ्ट जैसे डायरी पेंसिल पेन इत्यादि देते हैं । इसलिए उनके जन्मदिन पर उन्हें जो गिफ्ट दे उन पैसों में किसी आदिवासी या गरीब कन्या का बैंक में खाता खुलवा दें और खाता खुलवाने का स्क्रीनशॉट मेरे व्हाट्सएप पर भेज देंगे तो मैं सोचूंगा आपने मुझे भरपूर आशीर्वाद दे दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से उन्होंने पूर्व में बांसवाड़ा में त्रिपुरा सुंदरी देवी के दर्शन करने के दौरान वहां आठ कन्याओं को भोजन खिलाकर उन्होंने पीएम मोदी की सुकन्या समृद्धि योजना के तहत आठ कन्याओं का बैंक में खाता खुलवाया था आज वह आंकड़ा 50000 तक पहुंच गया है उन्होंने अपने शुभचिंतकों और समर्थकों की सहायता से 50000 कन्याओं के खाता खुलवा दिया है और अगले जन्मदिन तक 100000 गरीब कन्याओं के खाता खुलवाने का संकल्प लिया है वह संकल्प भी आप लोगों की मदद से पूरा होगा।

पीएम नरेंद्र मोदी के नवाचार और उनके छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान कि कला ने देश के लोगों के जीवन को बनाया खुशहाल

सतीश पूनिया ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खूब प्रशंसा की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए गए अनेकों नवाचार बड़े फैसलों और बड़े निर्णय से आज विश्व मंच पर भारत की बात को सुना जाता है और फॉलो किया जाता है उन्होंने कहा कि देश के लोगों की छोटी सी छोटी समस्या को भी मोदी बखूबी से जानते हैं और उनका बहुत ही खूबसूरती से समाधान निकालते हैं जिसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है दुनिया का शक्तिशाली से शक्तिशाली देश भी भारत से आंख नहीं मिल सकता यह सब कमाल हुआ है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल और सक्षम नेतृत्व से।

मैं राजनीति के लिए जन्मदिन नहीं मनाता हूं

सतीश पूनिया ने कहा कि उनके इतने बड़े लंबे पोलिटिकल कैरियर में ऐसा कभी भी नहीं हुआ जब उन्होंने अपने जन्मदिन को राजनीति का जरिया बनाया उन्होंने कहा कि मैं राजनीति के लिए जन्मदिन नहीं मनाता हूं जब मैं जब भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष था उस समय गिरिराज जी के यहां दर्शन के लिए आया था। लेकिन मैंने ठीक तरह से गिरिराज जी की मूर्ति नहीं देखी थी मैंने उस समय परिक्रमा भी लगाई मेरे पैरों में छाले भी हो गए थे ।लेकिन मैंने उस समय यह संकल्प लिया था कि मैं यहां फिर से दर्शन करने के लिए आऊंगा और गिरिराज जी की मूर्ति को फिर से निहारूंगा आशीर्वाद दूंगा इसीलिए मैं यहां अपने जन्मदिन पर परिवार के साथ आया हूं उन्होंने कहा कि वैसे उनकी राजनीति की यात्रा भरतपुर से ही शुरू हुई थी जब अपने गांव से जयपुर आए और फिर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य बने और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अधिवेशन में शामिल होने के लिए वह पहली बार भरतपुर आए थे जो उनके राजनीतिक कैरियर की शुरुआत थी और जब भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के 1999 में राजस्थान इकाई के अध्यक्ष बने तब उन्होंने पृथ्वीराज चौहान के अजमेर शहर से सूरजमल के लोहागढ़ तक 750 किलोमीटर की पैदल यात्रा की थी इसलिए वह खुद भी मानते हैं कि उनका पॉलीटिकल करियर भरतपुर से ही शुरू हुआ ।

भाजपा देश की इकलौती पार्टी जो साधारण कार्यकर्ता को भी उच्च पद पर बिठाती है

हरियाणा भाजपा के प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि देश में भारतीय जनतापार्टी इकलौती पार्टी है जो पार्टी के साधारण कार्यकर्ता को भी बड़े से बड़े पद पर बिठाती है। उन्होंने कहा कि आज भजनलाल शर्मा जो पार्टी के कर्मठ और साधारण कार्यकर्ता थे लेकिन उन्हें भाजपा ने मुख्यमंत्री की सीट पर बैठाया ऐसे निर्णय सिर्फ भाजपा में ही होते हैं और किसी पार्टी में नहीं उन्होंने कहा कि आज केंद्र में मोदी सरकार और राजस्थान में भजनलाल सरकार लोगों के कल्याण और विकास के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। भारत का हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है तो राजस्थान भी हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है चाहे यमुना जल समझौता हो चाहे ईस्टर्न कैनल परियोजना हो चाहे राइजिंग राजस्थान हो चाहे सौर ऊर्जा का मामला हो सड़क शिक्षा चिकित्सा बिजली उद्योग कृषि हर क्षेत्र में राजस्थान तेजी से विकास कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की वृक्षारोपण को लेकर की जमकर तारीफ

सतीश पूनिया ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्र में कैबिनेट मंत्री शिवराज सिंह चौहान की वृक्षारोपण को लेकर जमकर प्रशंसा की उन्होंने कहा कि वह रोजाना शिवराज सिंह चौहान की सोशल मीडिया पर पोस्ट देखते हैं जिसमें वह रोजाना जहां भी जाते हैं । पेड़ लगाते हुए नजर आते हैं हम सबको भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की ओर काम करना चाहिए चाहे घर में किसी का जन्मदिन हो चाहे शादी समारोह हो या फिर कोई और फंक्शन हो अगर आप पेड़ लगाएंगे तो वह पेड़ सालों तक आपकी याद को ताज करेगा ।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पूरे देश में जो अलख जागी है उसी का परिणाम है कि आज पूरे देश में बड़े पैमाने पर रोजाना पेड़ लगाए जा रहे हैं इस दिशा में राजस्थान ने भी पूरे देश में बड़ी संख्या में पेड़ लगाकर खुद को साबित किया है उन्होंने लोगों से कहा कि प्रकृति के संरक्षण और हमें तरोताजा रखने में पेड़ का बड़ा योगदान रहता है इसलिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए ।

पूरे इलाके में भगवान श्री कृष्ण का वास, वीर योद्धा महाराजा सूरजमल की नगरी है भरतपुर

सतीश पूनिया ने कहा कि गोवर्धन परिक्रमा और आसपास के पूरे इलाके में भगवान श्री कृष्णा का वास है यहां की जमीन पर पांव रखते ही एक अलग भाव और एक अलग सा स्पर्श शरीर की अंतरात्मा को महसूस करवाता है जो यह इंगित करता है कि आज भी भगवान श्री कृष्णा यहां हर जगह मौजूद है उन्होंने कहा कि भरतपुर कि पूरे देश में एक अलग शान है एक अलग पहचान है यह सब वीर योद्धा महाराजा सूरजमल की देन है आज भरतपुर की पहचान महाराजा सूरजमल से ही होती है ।

पार्टी के कुशल रणनीतिकारों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं सतीश पूनिया

सतीश पूनिया की गिनती अब भारतीय जनता पार्टी के कुशल रणनीतिकार नेताओं में होने लगी है। हरियाणा में भाजपा की सरकार के गठन में पूनिया की कुशल रणनीति और उनका श्रेष्ठ प्रबंधन का बड़ा हाथ रहा इसलिए हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद दिल्ली में बैठे भारतीय जनता पार्टी के तमाम बड़े नेताओं के दिलों में सतीश पूनिया ने अपना एक अलग मुकाम बना लिया है क्योंकि हरियाणा में इस बार भारतीय जनता पार्टी की जीत के रास्ते काफी मुश्किल दिख रहे थे विरोधी दल के नेताओं ने जिस तरह से वहां पर चुनाव में घेराबंदी की हुई थी और जो सियासत का खेल हरियाणा में चल रहा था उसमें बीजेपी के सामने हरियाणा का चुनाव जीतना बड़ी चुनौती बन गया था लेकिन सतीश पूनिया ने हरियाणा के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार संबंधी सभी बड़े विषयों में बहुत ही समझदारी दिखाते हुए निर्णय लिए एक तरफ जहां अच्छे प्रत्याशियों का चयन किया तो दूसरी तरफ चुनाव प्रचार के प्रबंधन को भी बहुत ही शानदार तरीके से हैंडल किया हालांकि इस दौरान सतीश पूनिया बीमार भी हो गए थे रोहतक के अस्पताल में कई दिनों तक भर्ती भी रहे लेकिन अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी उन्होंने पूरे चुनावी मूवमेंट पर बारीकी से नजर जमा कर रखी और अस्पताल से ही पार्टी जनों को आवश्यक दिशा निर्देश और गुरु मंत्र देते रहे जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी को चुनाव में सफलता मिली इसके बाद पूनिया की भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली दरबार में और भी इज्जत बढ़ गई और अब तो उन्हें भाजपा के कुशल रणनीतिकारों की लिस्ट में शामिल भी कर लिया गया है ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भी जमकर प्रशंसा की

अपने भाषण में सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भी खूब प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने उन्हें बधाई संदेश भी भेजा है इसके अलावा इस कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर भी वह काफी चिंतित थे और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के बारे में भी पूछ रहे थे उनका इस तरह से व्यवस्थाओं के बारे में पूछना कोई साधारण बात नहीं है यह उनकी एक अलग खूबी को दर्शाता है और दिखता है कि उन्हें हर चीज को लेकर कितनी चिंता रहती है उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछले 22 महीना में प्रदेश में विकास कार्यों की सौगात देकर खुद को साबित किया है

दिवंगत दिगंबर सिंह को भी किया याद

पूर्व मंत्री दिवंगत दिगंबर सिंह को भी सतीश पूनिया ने सभा में याद किया और कहा कि भरतपुर और आसपास के जिलों में भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान करने में दिगंबर सिंह का बहुत बड़ा योगदान रहा है ।आज उनकी कमी खल रही है लेकिन उनकी कमी को काफी हद तक उनके पुत्र शैलेश दिगंबर पूरी कर रहे हैं ।उन्होंने कहा कि दिगंबर सिंह से उनके बहुत ही अच्छे संबंध रहे राजनीति के अलावा दिगंबर सिंह से उनके पारिवारिक और मित्रवत संबंध रहे उन्होंने कहा कि मैं आज भरतपुर में हूं लेकिन उन्हें यहां नहीं देखकर बहुत मिस कर रहा हूं ।

जाति सबको प्यारी लेकिन मुझे हर जाति से प्यार

सतीश पूनिया ने कहा कि आजकल हर जगह जातिवाद का बोलबाला है राजनीति में भी खूब जातिवाद होता है और हर व्यक्ति को अपनी जाति प्यारी भी लगती है जातिवाद के नाम पर लोग खुद को राजनीति में चमकाने का प्रयास भी करते हैं लेकिन उन्होंने कभी भी जातिवाद का सहारा नहीं लिया और ना ही जातिवाद को बढ़ावा देते हैं उन्हें हर जाति से प्यार है और हर जाति का सम्मान करते हैं उनके शुभचिंतक हर जाति में हैं इसलिए उन्होंने कभी जातिवाद के सहारे राजनीति करने के बारे में सोचा ही नहीं

इस अवसर राजस्थान सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भामू, कठूमर विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक बनवारी सिंह सिंघल, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, पूर्व विधायक सुखराम सिंह कोली, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टाक, दिल्ली नजफगढ़ विधायक नीलम पहलवान, गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह ठाकुर सहित राजस्थान हरियाणा दिल्ली उत्तर प्रदेश से तमाम जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी सतीश पूनिया को जन्मदिन की बधाई देने श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।